RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
# चेतना मंच

पेज 7
तुलना को लेकर बोली शालिनी...

वर्ष : 26 अंक : 347 website:www.chetnamanch.com नोएडा, रविवार, 08 दिसंबर, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

# हरियाणा-पंजाब के किसानों का दिल्ली कूच

## किसानों को खदेड़ने के लिए हरियाणा पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले, तनाव बढ़ा

**नई दिल्ली (चेतना मंच)।** पंजाब के किसान संगठन अपनी मांगों को लेकर फरवरी से शंभू बॉर्डर पर मोर्चा लगाकर बैठे हैं। हरियाणा उन्हें आगे नहीं जाने दे रहा। छह दिसंबर को भी किसानों ने आगे बढ़ने का प्रयास किया था, लेकिन पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागकर किसानों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। आज फिर किसान दिल्ली की तरफ बढ़े।

बॉर्डर पर पुलिस के लिए तंबुओं को लगाने का काम जारी है। पंजाब-हरियाणा बॉर्डर से किसानों के शुक्रवार को दिल्ली कूच न करने के एलान के बावजूद बाहरी जिला पुलिस बॉर्डर पर सुरक्षा पुख्ता करने में जुटी हुई है। बृहस्पतिवार रात को पुलिस ने बॉर्डर पर कंटेनर और बैरिकेड मंगवा लिए थे। शुक्रवार देर रात और कंटेनर मंगवा लिए गए। अब तक पुलिस ने करीब एक दर्जन कंटेनर को रखवा दिया है। पुलिस बॉर्डर की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए दिल्ली पुलिस के साथ-साथ अर्धसैनिक बल को भी यहां तैनात कर रही है।

शुक्रवार को टिकरी बॉर्डर पर अर्धसैनिक बल के जवानों को बुला लिया गया था। शनिवार को आरपीएफ की भी यहां तैनाती कर दी गई है। शनिवार को यहां पुलिसकर्मियों के रहने के लिए तंबू लगाने का काम शुरू कर दिया गया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली पुलिस किसानों को रोकने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। हालांकि पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था से हरियाणा से आने-जाने वाले वाहन चालकों को किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं हो रही है। शनिवार को बॉर्डर पर हालात सामान्य रहे।

हरियाणा के बहादुरगढ़, रोहतक, भिवानी व पंजाब से लोग टिकरी बॉर्डर के जरिये दिल्ली में प्रवेश करते हैं। साथ ही हरियाणा में कई फैक्टरियां हैं, जिसमें दिल्ली में रहने वाले लोग काम करने के लिए जाते हैं। टिकरी बॉर्डर के बंद होने से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बॉर्डर से सटे दिल्ली में रहने वाले लोग अपने मवेशियों का चारा भी हरियाणा से मंगवाते हैं। डेयरी संचालकों का कहना है कि बॉर्डर बंद होने की स्थिति में उन लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

### किसानों से पहचान पत्र की मांग

शंभू बॉर्डर पर हरियाणा पुलिस की तरफ से किसानों के पहचान पत्र दिखाने को कहा जा रहा है। पुलिस का कहना है कि हम पहले किसानों की पहचान करेंगे और फिर उन्हें आगे जाने देंगे। हमारे पास 101 किसानों के नामों की सूची है, और वे वे लोग नहीं हैं। वे हमें अपनी पहचान नहीं करने दे रहे हैं। वे भीड़ के रूप में आगे बढ़ रहे हैं।

### मीडिया को रोकने पर सवाल

शंभू बॉर्डर पर किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने आरोप लगाया कि भगवंत मान सरकार केंद्र सरकार के साथ किसी तरह का गठजोड़ कर रही है। आज जिस तरह से मीडिया को रोका जा रहा है, सीएम और अरविंद केजरीवाल को आगे आकर इस पर सफाई देनी चाहिए। वे कहते हैं कि वे किसानों और मजदूरों के साथ हैं, फिर वे मीडिया को क्यों रोक रहे हैं? भगवंत मान सरकार का चेहरा बेनकाब हो गया है। पहले हम केवल केंद्र सरकार के खिलाफ थे, लेकिन अब हमें राज्य सरकार से निपटना है। पंजाब सरकार केंद्र सरकार के कामों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है। वहीं पटियाला के एसएसपी नानक सिंह ने कहा कि मीडिया को नहीं रोका गया है। हमारा ऐसा कोई इरादा नहीं है। लेकिन मीडिया को जानकारी देना ज़रूरी था। पिछली बार हमें पता चला था कि 3-4 मीडियाकर्मी घायल हो गए हैं। उससे बचने के लिए हमने मीडिया को जानकारी दी... हम कोशिश करेंगे कि ऐसा न हो - लेकिन अगर कोई घायल होता है, तो उसे निकालने के लिए हमारे पास मेडिकल टीम है।

# ग्रेप-4 की पाबंदियां हटने के बाद फिर 'खराब हुई दिल्ली की हवा'

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिसंबर महीने की शुरुआत में वायु प्रदूषण से थोड़ी राहत मिलने के बाद दिल्ली-एनसीआर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) फिर से बढ़ रहा है। प्रदूषण से कुछ राहत मिलने के बाद दिल्ली-एनसीआर से ग्रेप-4 की पाबंदियां हटा दी गई। इसके बाद से वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, आज दिल्ली के कई इलाकों का एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया है। रविवार सुबह दिल्ली का औसत एक्यूआई 261 दर्ज किया गया, प्रदूषण की 'खराब' श्रेणी में आता है।

वहीं, मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आज सुबह दिल्ली के कुछ हिस्सों में कोहरे की एक पतली परत छाई रही और न्यूनतम तापमान गिरकर 8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया।

शनिवार को गौतमबुद्ध नगर का एक्यूआई चार दिनों में सबसे ज्यादा 179 रिकार्ड हुआ। सेक्टर-62 स्टेशन में वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में 201 पहुंच गई जो शुक्रवार को 162 पर थी। डॉक्टर प्रदूषण बढ़ने पर लोगों से घर से बाहर निकलते वक्त मास्क लगाने की अपील कर रहे हैं। स्टेशन पर पीएम 2.5 मानक से चार गुना जबकि पीएम10 तीन गुना ज्यादा रहा।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि एक दिसंबर को शहर का एक्यूआई सर्वाधिक 215 रिकार्ड हुआ था, जो शनिवार को 179 पर रहा। इसी के साथ शहर का एक्यूआई देश के प्रदूषित शहरों में 32वें पायदान पर रहा। इससे पहले लोगों को सबसे खराब स्थिति 18 नवंबर को झेलनी पड़ी थी। उसके बाद से वायु गुणवत्ता में लगातार सुधार होता रहा, लेकिन सात दिसंबर को एक्यूआई फिर बढ़ गया।

दिन में तापमान ज्यादा होने पर लोगों को सांस लेने में दिक्कत कम ही हुई। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी का मानना है कि हवा की गति 12 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चली थी, जिसके बाद प्रदूषण ज्यादा तेजी से नहीं बढ़ पाया। वहीं, सेक्टर- 62 में सर्वाधिक एक्यूआई 201 रहा। दूसरे पायदान पर सेक्टर- 116 में 178 व सेक्टर-एक के स्टेशन पर 171 के अलावा सेक्टर-125 में सबसे कम 169 प्राप्त हुआ।

दो दिन राहत के बाद शनिवार को इंदिरापुरम व लोनी की हवा फिर से खराब श्रेणी में पहुंच गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, इंदिरापुरम का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 212 व लोनी का एक्यूआई 205 दर्ज किया गया। इससे यहां के लोगों की चिंता फिर से बढ़नी शुरू हो गई है। वहीं, जिले का एक्यूआई भी 39 अंक की बढोतरी के साथ 175 दर्ज किया गया।

शुक्रवार को इंदिरापुरम व लोनी का एक्यूआई मध्यम श्रेणी में दर्ज किया गया था। इंदिरापुरम का एक्यूआई 156 व लोनी का 172 दर्ज किया गया था। इन इलाकों के साथ ही वसुंधरा व संजय नगर के एक्यूआई में भी बत्तोतरी हुई है। सभी क्षेत्रों का एक्यूआई बढ़ने से जिले की हवा फिर से खराब होने लगी है। हालांकि अभी मध्यम श्रेणी में है।

अगर जिम्मेदार विभागों ने जल्द ही प्रदूषण रोकथाम के इंतजाम नहीं किए तो जिले की हवा फिर से जहरीली हो जाएगी। लोगों का कहना है कि जब भी हवा साफ होती है तो अधिकारी वाहवाही लूटने लगते हैं। अब प्रदूषण बढ़ने लगा है तो कोई भी अपनी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है।

### किस इलाके में कितना है AQI

| स्थान | एक्यूआई | श्रेणी |
|---|---|---|
| आनंद विहार | 352 | बहुत खराब |
| जहांगीरपुरी | 321 | बहुत खराब |
| चांदनी चौक | 332 | बहुत खराब |
| अलीपुर | 277 | खराब |
| आया नगर | 229 | खराब |
| द्वारका सेक्टर-8 | 268 | खराब |
| नजफगढ़ | 214 | खराब |
| इंदिरापुरम, गाजियाबाद | 261 | खराब |
| लोनी, गाजियाबाद | 226 | खराब |
| नोएडा सेक्टर-62 | 219 | खराब |

# सीएम योगी ने 84 मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक से नवाजा

**कानपुर (एजेंसी)।** कानपुर में आज रामा विवि का तीसरा दीक्षांत समारोह का शुभारंभ हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय शामिल हुए। सीएम योगी का हेलीकॉप्टर 10.44 बजे विश्वविद्यालय के हेलीपैड पर उतरा है।

अतिथियों ने 2023 और 2024 बैच के 1935 छात्र-छात्राओं को उपाधियां दी गईं। 51 छात्र-छात्राओं को पीएचडी की उपाधि से नवाजा। 84 छात्रों को स्वर्ण और 41 को रजत पदक दिए गए। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य और को फाउंडर-वाइस प्रेसीडेंट इंफोसिस ग्रुप सुधा मूर्ति को मानद उपाधि दी गई। निजी कारणों की वजह से सुधा मूर्ति कार्यक्रम में शामिल नहीं हुईं।

इस दौरान राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति को मानद उपाधि प्रदान की गई लेकिन निजी कारणों की वजह से वो कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाई। मुख्यमंत्री के साथ दीक्षांत समारोह में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय और विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भी मौजूद रहे।

इधर, सीएम के कानपुर दौरे को लेकर पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए है। विश्वविद्यालय के चप्पे-चप्पे पर 800 जवान तैनात किए गए है। इसके अलावा जीटी रोड पर ट्रैफिक डायवर्जन किया गया है। बताया जा रहा है कि सीएम करीब डेढ़ घंटे तक कानपुर में रहेंगे।

### छात्रा के साथ छेड़छाड़, विरोध करने पर पीटा

**ग्रेटर नोएडा।** नॉलेज पार्क स्थित होम्योपैथिक कॉलेज में इंटर्नशिप कर रही एक छात्रा ने कैब चालक पर मारपीट और छेड़छाड़ का गंभीर आरोप लगाया है। फरीदाबाद की रहने वाली पीड़िता नॉलेज पार्क स्थित कॉलेज में इंटर्नशिप कर रही है। फरीदाबाद से नोएडा आ रही थी। सेक्टर-37 से उसने कॉलेज पहुंचने के लिए एक कैब बुक की। छात्रा ने बताया कि जब गाड़ी सेक्टर-144 के पास नलगढ़ा गांव के हाईवे पर पहुंची तो चालक ने वाहन को जंगल की तरफ मोड़ दिया।

छात्रा ने इसका विरोध करते हुए चालक से सफाई मांगी, लेकिन उसने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। इसके बजाय वह बहाने बनाने लगा।

छात्रा की शिकायत पर सेक्टर-142 थाना पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि चालक की पहचान कर ली गई है और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। इस मामले में एडीसीपी सेंट्रल नोएडा हृदेश कठेरिया ने बताया कि प्रारंभिक जांच में चालक ने दावा किया है कि वह सीएनजी भरवाने के लिए हाईवे से नीचे उतरा था। इसी बीच छात्रा और चालक के बीच विवाद हो गया। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है।

# चालान काट रहे ट्रैफिक इंस्पेक्टर को बाइक सवार ने मारी टक्कर

**नोएडा।** सेक्टर 16ए स्थित फिल्म सिटी फ्लाईओवर के ऊपर चालान काट रहे एक टीएसआई को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। घटना में टीएसआई गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद अन्य ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने आरोपी चालक को पकड़ लिया। पीड़ित ने घटना की शिकायत थाना फेज -1 पुलिस से की है।

पुलिस को दी शिकायत ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर सुभाष चंद ने बताया कि वह 6 दिसंबर को सेक्टर 16ए

स्थित फिल्म सिटी फ्लाईओवर के ऊपर वाहन चेकिंग के दौरान चालान काट रहे थे। इस बीच एक दिल्ली नंबर की बाइक को रोकने की कोशिश की गई। आरोप है कि इस पर तेज रफ्तार बाइक सवार ने सुभाष चंद को टक्कर मारकर घायल कर दिया। इस बीच वहां मौजूद अन्य पुलिस कर्मियों ने आरोपी बाइक सवार को पकड़ लिया। टीएसआई को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है।

इस संबंध में पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई है। आरोपी की बाइक को भी सीज किया गया है।

# भाजपा नेता की बेटी का स्कूल से अगवा करने का प्रयास

## दो दिन तक पुलिस ने नहीं दर्ज की एफआईआर

**गाजियाबाद (चेतना मंच)।** दिल्ली से सटे गाजियाबाद के इंदिरापुरम में नर्सरी में पढ़ने वाली भाजपा नेता की मासूम बेटी को स्कूल से ही धोखे से अपहरण करने का प्रयास किया गया।

बदमाश ने स्कूल पहुंचकर प्रबंधन को बताया कि वह बच्ची का चाचा है और उसके पिता के कहने पर उसे लेने आया है। जब बच्ची क्लास से आई तो उसने अनजान व्यक्ति को देखकर उसके साथ जाने से इनकार कर दिया। जिसके बाद बदमाश भाग निकला।

मामले की जानकारी होने पर बच्ची के पिता ने स्कूल प्रबंधन से इस मामले में कार्रवाई करने के लिए कहा, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने पुलिस कार्रवाई से इनकार कर दिया। जिसके बाद पिता ने इंदिरापुरम थाने में तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने कई दिन तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की और मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया।

पिता ने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट कर दिया। बच्ची के पिता के अनुसार इस पोस्ट को डिलीट करवाने के लिए पुलिस ने एफआईआर दर्ज की।

# आयकर ने संपत्ति खरीदने वाले 12 हजार लोगों को भेजा नोटिस

**नोएडा।** गौतमबुद्ध नगर में जमीन और फ्लैट की खरीद-बिक्री सबसे ज्यादा होती है। इस दौरान आयकर विभाग के नियमों को भी ताक पर रख दिया जाता है। आयकर विभाग के अनुसार, जिले में 50 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली संपत्तियां लोग तेजी से खरीद रहे हैं, लेकिन टैक्स जमा नहीं कर रहे हैं। जिले में वित्तीय वर्ष 2020 के बाद 50 लाख रुपये से ज्यादा की संपत्ति और जमीन खरीदने वाले 12 हजार लोगों को चिह्नित कर आयकर विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला रजिस्ट्रार कार्यालय से मिले डेटा के बाद इन चिह्नित लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। दरअसल, 50 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति खरीदने पर खरीदार की जिम्मेदारी है कि वह विक्रेता को भुगतान करते समय एक प्रतिशत की दर से टीडीएस काटकर फॉर्म 26 क्यूबी के माध्यम से विभाग में जमा करे। इसी तरह संपत्ति बेचने वाले को अगर क्रेता ने पैन गलत दिया है या आधार से लिंक नहीं है तो वो 20 प्रतिशत की दर से टीडीएस काटेगा और जमा करेगा।

### संपत्ति खरीदने-बेचने वाले रखें ध्यान

आयकर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसे सभी लोगों को आयकर अधिनियम की धारा - 194ङ्क के तहत नोटिस जारी किया जा रहा है। वरिष्ठ कर अधिवक्ता सुधांशु ने बताया कि विभाग की ओर से आउटरीच कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें टीडीएस काटकर जमा करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। नोटिसों से बचने के लिए संपत्ति खरीदने-बेचने वालों को नियमों का ध्यान रखना चाहिए।

जिले में जिन 12 हजार लोगों को नोटिस भेजा गया है, उसमें बिल्डरों के अलावा ग्रेटर नोएडा के फ्लैट खरीदारों की संख्या भी अच्छी खासी है।

आयकर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि अब वित्त से जुड़े कुछ सरकारी कार्यालयों को भी आयकर विभाग से सूचनाएं साझा करनी होती हैं। वित्तीय वर्ष 2020-21, 2021-22, 2022-23, 2023-24 के लिए रजिस्ट्रार कार्यालय ने वार्षिक सूचना सारांश आयकर विभाग से साझा किया था। आयकर विभाग की जांच में पता चला कि गौतमबुद्ध नगर जिले के 12 हजार लोगों ने 50 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति इन वित्तीय वर्षों में खरीदी, लेकिन एक फीसदी टीडीएस जमा नहीं किया। आयकर विभाग के कानपुर रीजन में शामिल जिला गौतमबुद्धनगर के इन लोगों को नोटिस भेज दिया गया है। नोटिस में 31 मार्च से पहले एक प्रतिशत टीडीएस जमा कराने को कहा गया है।

# सुरक्षा एजेंसियों को ड्रोन बेचने वाली कंपनी ने लगाया सरकार को चूना

**नोएडा।** राज्य जीएसटी विभाग ने 4 नवंबर को नोएडा स्थित एक प्रमुख ड्रोन निर्माण और बिक्री कंपनी पर छापा मारकर टैक्स चोरी का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि कंपनी ने फर्जी फर्मों से खरीदारी दिखाकर 50 लाख रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) प्राप्त किया है।

राज्यकर विभाग के अपर आयुक्त (ग्रेड-2) (विशेष अनुसंधान शाखा) विवेक आर्य ने बताया कि छापेमारी के दौरान ड्रोन निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की खरीद की गहन जांच की गई। कंपनी ने वर्ष 2022-23 में 2.77 करोड़ रुपये की खरीद फर्जी फर्मों से दिखाई थी। जांच में पाया गया कि इन फर्मों का कोई अस्तित्व नहीं है। इनका उपयोग केवल फर्जी लेनदेन दिखाने के लिए किया गया।

### राजकीय और सुरक्षा एजेंसियों को बेचती है ड्रोन

यह कंपनी कई सरकारी और सुरक्षा एजेंसियों को ड्रोन बेचने के लिए जानी जाती है, लेकिन टैक्स चोरी के इस मामले ने उसकी साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग ने खुलासा किया कि फर्जी फर्मों के माध्यम से आईटीसी का गलत लाभ उठाकर कंपनी ने सरकार को वित्तीय नुकसान पहुंचाया।

### 50 लाख की आईटीसी चोरी

जांच में यह भी पता चला कि फर्जी फर्मों से खरीद दिखाकर कंपनी ने 50 लाख रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त किया। विभाग इस मामले में कंपनी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रहा है। अधिकारी विवेक आर्य ने बताया कि ऐसे मामलों पर सख्ती से नजर रखी जा रही है। विभाग इस मामले की गहराई से जांच कर रहा है और अन्य कंपनियों की भी निगरानी बढ़ाई जा रही है। जिससे फर्जीवाड़ा करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा सके।

## महाराष्ट्र की सत्ता

अंततः देवेंद्र फडणवीस ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। एनसीपी नेता अजित पवार तो जनादेश घोषित होते ही भाजपा मुख्यमंत्री को समर्थन देने को तैयार थे। उन्होंने समर्थन का ऐलान भी कर दिया था, लेकिन शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे शपथ-ग्रहण से कुछ घंटे पहले तक भी उपमुख्यमंत्री बनने पर सहमत नहीं थे। हालांकि फडणवीस ने शिंदे के साथ, बंद कमरे में, घंटों बातचीत की, उन्हें गठबंधन बरकरार रखने की राजनीतिक अनिवार्यता समझाई, कुछ आकर्षक पेशकश भी की गई होंगी, अलबत्ता गृह विभाग के लिए भाजपा साफ इंकार कर चुकी थी, लेकिन शिंदे आखिरी क्षणों तक भी मुख्यमंत्री से उपमुख्यमंत्री बनने को राजी नहीं हुए। आखिर वह कैसे भूल गए कि 40 विधायकों वाली शिवसेना को 104 विधायकों वाली भाजपा ने समर्थन देकर शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया था। पांच साल तक मुख्यमंत्री रहे फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनने को पार्टी नेतृत्व ने बाध्य किया था। बहरहाल मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों ने समन्वय और समर्थन के साथ शपथ ग्रहण की और कैबिनेट की पहली बैठक में ही कुछ महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगाई। फडणवीस ने सदन में जो कविता सुनाई थी, वह साकार हो उठी कि 'समंदर' एक बार फिर लौट आया है। देवेंद्र फडणवीस ने भाजपा के चुनाव-अभियान का नेतृत्व किया था और 64 जनसभाओं को संबोधित भी किया था। उसके बावजूद मुख्यमंत्री बनने में 12 दिन लगे। यदि आरएसएस का अकाट्य और सार्थक समर्थन नहीं होता, तो शायद महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री भी गुजरात, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और ओडिशा की तर्ज पर कोई अनजान चेहरा ही होता। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की यही राजनीति रही है कि वे पीछे बैठने वाले चेहरे को अचानक मुख्यमंत्री बनाते रहे हैं। संघ ने महाराष्ट्र में उस रणनीति के लिए प्रधानमंत्री मोदी को रोका और समझाया। अंततः फडणवीस पर ही अंतिम निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री फडणवीस के सामने कई गंभीर चुनौतियां हैं, हालांकि सरकार राजनीतिक तौर पर स्थिर है। महायुति सरकार को 'लाडकी बहिना' योजना के तहत 1500 रुपए से बढ़ा कर राशि 2100 रुपए माहवार करनी है। इस योजना को एकनाथ शिंदे अपनी मानस-योजना बताते हैं, जबकि भाजपा मप्र में शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में यह चुनावी प्रयोग कर चुकी थी और घर-घर महिलाओं के खातों में पैसा भेजा जा रहा था। बहरहाल महाराष्ट्र में यह चुनावी संकल्प तो पूरा करना ही है, लेकिन महाराष्ट्र का आर्थिक यथार्थ यह है कि उस पर 7.82 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। वैसे भारतीय जीडीपी में महाराष्ट्र का योगदान 13.3 फीसदी का है, जो सर्वाधिक है। यदि 'लाडकी बहिना' की राशि 2100 रुपए करनी है, तो महाराष्ट्र में बुनियादी ढांचा विकास के लिए पूंजी की उपलब्धता कम पड़ सकती है। यदि राजस्व संग्रह बेहतर और अधिक नहीं हुआ, तो कुछ विशेषज्ञों के आकलन हैं कि आने वाले महीनों में सरकारी कर्मचारियों के वेतन-भत्ते देना भी मुश्किल हो सकता है। महाराष्ट्र देश के विकास और समृद्धि का 'प्रमुख इंजन' है। यदि वह वित्तीय गैर-जिम्मेदारी का 'पोस्टर ब्वॉय' बना, तो इससे बड़ी 'आर्थिक त्रासदी' कोई और नहीं हो सकती। भाजपा के नेतृत्व में 'महायुति सरकार' की छीछालेदर भी होगी। चुनावी दृष्टि से कई सरकारी योजनाएं घोषित की गई थीं, लाभार्थी समूह भी तैयार किया गया, उनके तहत विभिन्न समुदाय, जातियां, धर्म के लोग कवर किए गए, ओबीसी आरक्षण में ही मराठाओं का कोटा तय करने का आश्वासन दिया गया, अब उन सभी योजनाओं को प्राथमिकता के स्तर पर क्रियान्वित करना होगा। महायुति सरकार के सामने बड़ी आर्थिक चुनौतियां संकट पैदा कर सकती हैं। महाराष्ट्र में दो सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज भी हैं, लिहाजा आर्थिक राजधानी के साथ-साथ वह 'स्टार्टअप' की भी स्वाभाविक पसंद है, लेकिन बेंगलुरु खराब बुनियादी ढांचे के बावजूद और दिल्ली प्रचंड प्रदूषण के बावजूद 'स्टार्टअप' को लेकर बेहतर काम कर रहे हैं। हैदराबाद और चेन्नई भी आगे बढ़ते हुए चुनौतियां पेश कर रहे हैं।

## रामचरित मानस

**कल के अंक में आपने पढ़ा था कि कामदेव ने तीक्ष्ण पाँच बाण छोड़े, जो शिवजी के हृदय में लगे। तब उनकी समाधि टूट गई और वे जाग गए। ईश्वर ( शिवजी ) के मन में बहुत क्षोभ हुआ। उन्होंने आँखें खोलकर सब ओर देखा॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।**

**सौरभ पल्लव मदनु बिलोका। भयउ कोपु कंपेउ त्रैलोका॥**
**तब सिवँ तीसर नयन उघारा। चितवन कामु भयउ जरि छारा॥**

जब आम के पत्तों में (छिपे हुए) कामदेव को देखा तो उन्हें बड़ा क्रोध हुआ, जिससे तीनों लोक काँप उठे। तब शिवजी ने तीसरा नेत्र खोला, उनको देखते ही कामदेव जलकर भस्म हो गया॥

**हाहाकार भयउ जग भारी। डरपे सुर भए असुर सुखारी॥**
**समुझि कामसुख सोचहिं भोगी। भए अकंटक साधक जोगी॥**

जगत में बड़ा हाहाकर मच गया। देवता डर गए, दैत्य सुखी हुए। भोगी लोग कामसुख को याद करके चिन्ता करने लगे और साधक योगी निष्कंटक हो गए॥

**जोगी अकंटक भए पति गति सुनत रति मुरुछित भई।**
**रोदति बदति बहु भाँति करुना करति संकर पहिं गई॥**
**अति प्रेम करि बिनती बिबिध बिधि जोरि कर सन्मुख रही।**
**प्रभु आसुतोष कृपाल सिव अबला निरखि बोले सही॥**

योगी निष्कंटक हो गए, कामदेव की स्त्री रति अपने पति की यह दशा सुनते ही मूर्च्छित हो गई। रोती-चिल्लाती और भाँति-भाँति से करुणा करती हुई वह शिवजी के पास गई। अत्यन्त प्रेम के साथ अनेकों प्रकार से विनती करके हाथ जोड़कर सामने खड़ी हो गई। शीघ्र प्रसन्न होने वाले कृपालु शिवजी अबला (असहाय स्त्री) को देखकर सुंदर (उसको सान्त्वना देने वाले) वचन बोले।

(क्रमशः..)

# मृगमरीचिका में आखिर कब तक भटकेगी कांग्रेस ?

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर 'सियासी बैशाखियों' के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है।

ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं। ठीक उसी तरह से आज कांग्रेस के रसूखदार और धन्नासेठ नेता पार्टी संगठन में पद और चुनावी टिकट देने के वास्ते 'वोट' और 'पैसा' दोनों लेते/लिवाते हैं, यह जानते हुए भी कि सामने वाला न तो उनका जनाधार बढ़ा पाएगा और न ही चुनाव जीत/जीतवा पाएगा। ऐसा वो सिर्फ इसलिए करते हैं कि सामने वाला अमीर है, वफादार है, पिछलग्गू भर है या फिर निहित समीकरण वश किसी ने उसकी सिफारिश की है। बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं।

अब बात पते की करते हैं। जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवहीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नवसियासी बटाईदारों ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश पीवी नरसिम्हाराव यही चाहते थे! उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं!

वहीं, आज जब राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूँ तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के हश्र को महसूस भी करता हूँ। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत-विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है और हैरत की बात यह है कि वह समझ नहीं पाई और नादान बनी रही। जबकि इसके खिलाफ ठोस और जमीनी रणनीति बनानी चाहिए। जैसे कि उसके बाद जन्मी भाजपा ने किया है।

माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है। आज वह सत्ता में नहीं है, फिर भी उन्हीं लोगों से सहारा ढूंढ रही है, जो उसकी सियासी पतन के लिए कसूरवार हैं। चूंकि मैंने एआईसीसी/बीजेपी/तीसरे मोर्चे को कवर किया है, इसलिए दावे के साथ कह सकता हूँ कि कांग्रेस के अंग्रेजी भाषी दलाल नेताओं ने उसके जमीनी नेताओं को भाजपा या क्षेत्रीय दलों में जाने के लिए अभिशप्त कर दिया।

चूंकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए वो अपने व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इस बात में कोई दो राय नहीं कि किसी भी स्थापित दल को चलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लायजनरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इनके निहित स्वार्थों के ऊपर यदि ब्लॉक, जिला, राज्य और

राष्ट्रीय स्तर पर जनाधार रखने वाले नेताओं की उपेक्षा की जाएगी तो फिर वोट कहाँ से आएगा, यह सोचने की फुर्सत सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास नहीं होगी।

अतीत पर नजर डालें तो एक जमाना था जब गांव-गांव में कांग्रेस के मजबूत शुभचिंतक थे, लेकिन पार्टी की अव्यवहारिक रीति-नीति के चलते वह इससे दूर होते चले गए। दो टूक कहें तो भाजपा में या क्षेत्रीय दलों में शिफ्ट हो गए। ऐसे में आज कांग्रेस के पास सिर्फ उन 'धनपशुओं' की टोली बची है, जिनको दूसरी राजनीतिक पार्टियां कभी तवज्जो नहीं देतीं। इनका काम कांग्रेस की सत्ता और संगठन के बड़े नेताओं के शाही खर्चों का इंतजाम करना भर है और इसलिए इनके समर्थक ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय संगठनों पर हावी हैं।

**माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है।**

चूंकि इनका कोई जनाधार नहीं है और ये जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं देते, इसलिए कांग्रेस खत्म होती चली गई। वहीं, जब से क्षेत्रीय कांग्रेस के नेता अस्तित्व रक्षा के लिए बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव तथा उत्तरप्रदेश में सपा प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव जैसे मजबूत नेताओं के इशारे पर काम करने लगे, तब से पार्टी संगठन की स्थिति और अधिक दयनीय हो गई।

आलम यह है कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे देश की आजादी का श्रेय प्राप्त है, जब जनजीवन व राष्ट्रीय हितों से इतर प्रमुख जातीय, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर खेलने लगी, तो उसकी जोड़-तोड़ से सत्ता तो बदलती रही, परंतु जनाधार छीजता चला गया। क्योंकि उसके प्रति निष्ठावान रहे प्रतिभाशाली पेशेवर, कारोबारी, प्रशासक और समाजसेवी आदि उससे दूर होते चले गए। चूंकि पहले क्षेत्रीय दलों और उसके बाद भाजपा ने उन्हें तवज्जो दी, इसलिए वो सब इनके साथ जुड़ गए, जिससे इन्हें अप्रत्याशित मजबूती मिली और कांग्रेस को कमजोरी मुबारक हुई।

अब जब कांग्रेस की टू कॉपी भाजपा बनती जा रही है तो भी कांग्रेस के थिंक टैंक को असली मुद्दे समझ में नहीं आ रहे हैं। शायद उसकी इसी मनोवृत्ति पर चोट करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया है।

हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटि की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन अब जो नई दुर्गति सामने आई है, वह हमें नए सिरे से सोचने पर मजबूर करती है।

बता दें कि 29 नवंबर 2024 शुक्रवार को हुई कांग्रेस के सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई की इस समीक्षा बैठक में खरगे के अलावा तमाम सीनियर नेता, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद थी। हालांकि बैठक खत्म होने से पहले ही राहुल और प्रियंका निकल गए। इसी मीटिंग में मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के नेताओं के सामने जहां एक ओर इस निराशाजनक प्रदर्शन के लिए तमाम वजहों को गिनाया, वही उन्होंने ईवीएम का मुद्दा भी उठाया।

खरगे का दो टूक कहना है कि पार्टी में अनुशासन की कमी और पुराने ढर्रे की राजनीति के जरिए जीत नहीं मिल सकती। क्योंकि कांग्रेस के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है। उन्होंने इस ओर इशारा करते हुए कहा कि आपसी एकता की कमी और एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी हमें काफी नुकसान पहुंचाती है। जब तक हम एक हो कर चुनाव नहीं लड़ेंगे, आपस में एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी बंद नहीं करेंगे, तब तक अपने विरोधियों को राजनीतिक शिकस्त नहीं दे पाएंगे। इसलिए हमें हर हाल में एकजुट रहना होगा।

वहीं, उन्होंने पार्टी में अनुशासन पर जोर देते हुए संकेत दिया कि पार्टी के लोग अपने स्तर पर अनुशासन में बंधें। वैसे तो पार्टी के पास अनुशासन का हथियार है, लेकिन हम नहीं चाहते कि अपने साथियों को किसी बंधन में डाले। वहीं, खरगे ने कांग्रेस की एक और बड़ी कमी की ओर इशारा करते हुए कहा कि पार्टी अपने पक्ष के माहौल को नहीं भुना पाती। उनका कहना था कि चुनावों में माहौल हमारे पक्ष में था। लेकिन केवल माहौल पक्ष में होना भर ही जीत की गारंटी नहीं होती। इसलिए अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि पार्टी में अनुशासन की कमी है। पार्टी के भीतर आपसी गुटबाजी एक स्थायी भाव बन चुकी है।

सच कहूं तो लोकसभा चुनाव के बाद दो राज्यों में पार्टी की हुई करारी हार के बाद शुक्रवार को सीडब्ल्यूसी मीटिंग में खरगे द्वारा पार्टी की हार की वजहों का जिक्र कोई पहला मौका नहीं था, जब पार्टी ने अपनी कमियों की ओर इंगित किया हो। यह क ?वी सच्चाई है कि कांग्रेस समस्या जानती है, उसका निदान और उपचार भी जानती है, लेकिन इसके लिए जो इच्छा शक्ति की जरूरत होती है, वह पार्टी नेतृत्व में नजर नहीं आती। यही वजह है कि 2014 के आम चुनाव के बाद असेबली चुनावों में पार्टी की हो रही लगातार हार के बाद 2016 में कांग्रेस के तत्कालीन महासचिव दिग्विजय सिंह ने पार्टी में मेजर सर्जरी की जरूरत बताई थी। लेकिन हुआ कुछ नहीं। उल्टे जी-23 में से ज्यादातर को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया।

इसलिए अब यह देखना दिलचस्प होगा कि खरगे द्वारा पार्टी की कमियों की ओर किया गया यह इशारा क्या वाकई पार्टी और नेताओं के भीतर कोई बदलाव लाएगा? क्या पार्टी अनुशासन की ब्लेड से मेजर सर्जरी कर पाएगी या फिर यह भी बस एक महज खानापूर्ति बन कर रह जाएगा? क्योंकि खरगे का यह सुझाव सही है कि हमें माहौल को नतीजों में बदलना सीखना होगा। उन्होंने जीत के लिए भरपूर मेहनत के साथ-साथ समयबद्ध तरीके से रणनीति बनाने और संगठन की मजबूती पर जो जोर दिया है, वह भी पते की बात है। उनका सुदीर्घ अनुभव इसमें झलकता है।उन्होंने सटीक आईना दिखाया है कि सिर्फ माहौल पक्ष में होना भर ही जीत की गारंटी नहीं होती। क्योंकि भाजपा इसे अपने पक्ष में करना जानती है। हरियाणा से लेकर महाराष्ट्र तक उसने यही किया है।

खरगे का कहना भी सही है कि हमें अपने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा। हमें मतदाता सूची बनाने से लेकर वोट की गिनती तक रात-दिन सजग, सचेत और सावधान रहना होगा। हमारी तैयारी शुरू से लेकर मतगणना तक ऐसी होनी चाहिए कि हमारे कार्यकर्ता और सिस्टम मुस्तैदी से काम करें। वहीं उन्होंने राज्यों को भी अपना संगठन मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि राष्ट्रीय मुद्दों और राष्ट्रीय नेताओं के सहारे राज्यों का चुनाव आप कब तक लड़ेंगे? उन्होंने प्रदेश संगठनों से कहा कि हाल के चुनावी नतीजों का संकेत यह भी है कि हमें राज्यों में अपनी चुनाव की तैयारी कम से कम एक साल पहले शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने यह कहते हुए राजनीतिक दूरदर्शिता दिखाई है कि हमारी टीम समय से पहले मैदान में मौजूद रहनी चाहिए। जो कि अपने प्रतिद्वंद्वी की तैयारियों पर नजर रखने में सक्षम हो।

वाकई ऐसा संभव हुआ तो यह कांग्रेस के लिए पुनर्जन्म जैसा होगा। लेकिन सुलगता सवाल फिर वही कि क्या पार्टी के नेताओं के अंदर अब कोई बदलाव आएगा? क्या उनके घिसे-पिटे सियासी एजेंडे और तुष्टिकरण की नीति में आमूलचूल बदलाव आएगा? क्या उनकी क्षुद्र जातीय नीतियां बदलेंगी और राष्ट्रनिर्माण के वास्ते को कोई अग्रगामी और निर्णायक कदम उठा पाएंगे! इंतजार करना श्रेयस्कर रहेगा।

**- कमलेश पांडेय**
**वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक**

## राशिफल

**मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष : सप्तमी** | **(विक्रम संवत् 2081)**

**मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)**
जीवनसाथी के साथ आनंददायक जीवन गुजारेंगे। नौकरी-चाकरी की स्थिति बहुत अच्छी है स्वास्थ्य में सुधार।

**वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)**
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम। प्रेम संतान बहुत अच्छा। बहुत अच्छा।

**मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)**
लिखने-पढ़ने में समय व्यतीत करें। विद्यार्थियों के लिए बहुत अच्छा समय।

**कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)**
भूमि, भवन वाहन की खरीदारी की प्रबल योग बन रहा है। स्वास्थ्य बहुत अच्छा, प्रेम, संतान की अभी मध्यम है।

**सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)**
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य में सुधार। प्रेम, संतान का साथ।

**कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)**
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। आपको शब्दों से अमृत टपकेंगे।

**तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)**
आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे। जो चाहेंगे, वैसा होगा। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा।

**वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)**
फैशन इत्यादि में खर्च की अधिकता रहेगी। कर्ज की स्थिति आ सकती है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम।

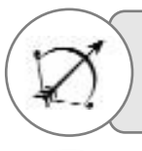

**धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)**
आय के नवीन सोर्स बनेंगे। यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार बहुत अच्छा।

**मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)**
व्यापारिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम-संतान अच्छा।

**कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)**
भाग्य साथ देगा। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

**मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)**
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

# मुख्य सचिव ने डीजीपी के साथ तीनों प्राधिकरण व पुलिस-प्रशासन के साथ की बैठक




**नोएडा।** उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरणों से किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता पर हल करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार के साथ शनिवार को ग्रेटर नोएडा आए मुख्य सचिव ने कहा कि तीनों प्राधिकरण प्रत्येक किसानों की सूची तैयार कर उनके प्राप्त होने वाले लाभ बिना विलंब देना सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव ने किसानों की समस्याओं को निस्तारित करने में अवरोध उत्पन्न करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने शनिवार को नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण, पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बोर्ड रूम में बैठक की। किसानों की मांगों को हल करने के लिए बनी उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशों पर चर्चा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि किसानों की पात्रता निर्धारण, अतिरिक्त प्रतिकर और लीजबैक के प्रकरणों को प्राथमिकता पर हल करने के लिए गांवों में शिविर लगाएं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत तीनों प्राधिकरण भूमिहीन किसानों की पात्रता निर्धारित कर वेंडिग जोन में जगह आवंटित करें। मुख्य सचिव ने कहा कि किसानों के कामों में अवरोध उत्पन्न करने वाले प्राधिकरणकर्मियों को चिंहित कर सूची प्रदान करें। ऐसे प्राधिकरणकर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ऐसे स्टाफ का इन प्राधिकरणों से स्थानांतरण करने की चेतावनी दी।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक किसानों की सूची तैयार कर लें। किस किसान को क्या हक दिया जाना है, इसकी जानकारी तीनों प्राधिकरणों को होनी चाहिए। उनका निस्तारण समयबद्ध तरीके से कराएं। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री किसानों की समस्याओं को हल करने के प्रति बेहद गंभीर हैं। उनके निर्देश पर ही यह बैठक आयोजित की गई है। किसानों की समस्याओं को हल करने में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस बैठक में पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, मेरठ मंडलायुक्त जे. सेल्वा कुमारी, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एम लोकेश, डीएम मनीष कुमार वर्मा, यीडा की एसीईओ श्रुति, नोएडा के एसीईओ संजय खत्री, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस और एसीईओ प्रेरणा सिंह समेत प्राधिकरण, पुलिस व जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

# क्रिसमस-डे व नववर्ष के कार्यक्रम बिना अनुमति करने पर होगी विधिक कार्रवाई

**नोएडा/ग्रेटर नोएडा।** जनपद गौतमबुद्ध नगर के नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में क्रिसमस-डे और नववर्ष के अवसर पर बगैर अनुमति के कार्यक्रमों का आयोजन करने वालों के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा विधिक कार्रवाई की जायेगी। मनोरंजन कर विभाग का यह नियम होटल, पव, रेस्टोरेन्ट, क्लब, पार्क, बारात घरों सहित अन्य स्थानों पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर लागू रहेगा।

गौतमबुद्ध नगर के जिला मनोरंजन कर अधिकारी जेपी चन्द ने बताया कि डीएम मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में जनपद के समस्त होटल, पव, रेस्टोरेन्ट, क्लब, पार्क व अन्य स्थानों पर क्रिसमस डे व नववर्ष को लेकर कार्यक्रम आयोजन करने वाले स्वामियों, संचालकों व प्रबंधकों को जानकारी दी गई है कि क्रिसमस डे व नववर्ष के अवसर पर मनोरंजन की परिभाषा से आच्छादित कोई प्रदर्शन, प्रस्तुतीकरण, आमोद, खेल, क्रीडा (घुड दौड सहित), झूला आदि मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन जनपद में संचालित होना संभव है।

उन्होंने बताया कि इन कार्यक्रमों के आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश चलचित्र अधिनियम 1955 यथा संशोधित उत्तर प्रदेश चलचित्र अधिनियम 2017 के तहत सक्षम प्राधिकारी (जिला अधिकारी) से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि क्रिसमस डे व नववर्ष पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए आयोजकों को आयोजन की अनुमति के लिए विद्युत, अग्नि सुरक्षा, कानून व्यवस्था, लोक व्यवस्था तथा सुरक्षा के लिए समुचित सावधानी के साथ-साथ वायुप्रशीतन एवं वातानुकूलन सुविधा व अन्य विद्युत स्थापना की समुचित व्यवस्था का प्रमाण-पत्र संबंधित विभाग से प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि बिना अनुमति के किए जाने वाले कार्यक्रम को बंद कराने के साथ-साथ आवश्यक विधिक कार्रवाई भी की जाएगी।

उन्होंने जनपद के समस्त होटल, पव, रेस्टोरेन्ट, क्लब, पार्क एवं अन्य स्थानों पर क्रिसमस डे व नववर्ष के अवसर पर किये जाने वाले मनोरंजन कार्यक्रमों के आयोजकों से कहा है कि उक्त प्राविधानों के तहत आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्रों के साथ नियमानुसार अनुमति सक्षम प्राधिकारी से ऑनलाइन प्राप्त करने के लिए निवेश मित्र पर विभागीय पोर्टल पर 30 दिन पूर्व आवेदन करके अनुमति प्राप्त करना करें तथा देय जीएसटी नियमानुसार जमा करायें। ऐसा न करने पर कार्यक्रम आयोजित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

# साइबर अपराधी ने की महिला प्रोफेसर से लाखों की ठगी

**नोएडा।** थाना बिसरख में एक महिला प्रोफेसर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि फेसबुक प्रोफाइल से एक फ्रेंड रिक्वेस्ट प्राप्त हुई। उक्त व्यक्ति ने खुद को स्कॉटलैंड में डॉक्टर बताया तथा कहा कि भारत में अस्पताल खरीदना चाह रहा है। उसने महिला को अपने जाल में फंसाया तथा उससे लाखों रुपए की ठगी कर ली।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि नोएडा की एक नामी यूनिवर्सिटी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत 60 वर्षीय महिला ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह एक विधवा महिला है। 30 जून वर्ष 2024 को उसे फेसबुक प्रोफाइल से एक फ्रेंड रिक्वेस्ट प्राप्त हुई। फ्रेंड रिक्वेस्ट करने वाला रंजन सिंह और उसके बीच बातचीत होने लगी। डॉक्टर रंजन सिंह ने बताया कि वह स्कॉटलैंड में डॉक्टर है और भारत में अस्पताल खरीदने के लिए भारत लौटना चाहता है। उसने कहा कि अगले दो-तीन दिनों में वह भारत आएगा। पीड़िता के अनुसार 4 जुलाई वर्ष 2024 को शिकायतकर्ता को डॉक्टर रंजन का फोन आया और उसने कहा कि स्कॉटलैंड से मुंबई पहुंच गया है। उसी दिन सुबह 10 बजे पीड़िता के फोन पर एक फोन आया और फोन करने वाले ने कहा कि डॉक्टर रंजन और उनकी 7 साल की बेटी एयरपोर्ट पर किसी वजह से मुसीबत में है। पीड़िता से उन्होंने 50 हजार रुपए की मांग की। पीड़िता घबरा गई तथा उन्होंने एक पेटीएम पर यह रकम ट्रांसफर कर दी।

उन्होंने बताया कि फिर दोबारा से महिला को साइबर अपराधियों ने फोन करके विभिन्न बार में उनसे डॉ रंजन की मदद के बहाने कुल 4,50,000 रुपए अपने खाते में डलवा लिया।

# फ्लैटों की रजिस्ट्री न होने पर सोसाइटी के निवासियों ने निकाली रैली



**नोएडा।** लंबे समय से इंतजार के बाद भी रजिस्ट्री नहीं होने के विरोध में आज सेक्टर-75 से सेक्टर-27 डीएम आवास तक आज 50 से अधिक सोसाइटी के निवासी रैली निकाल रहे है। एम्स गोल एवेन्यू के निवासी नवीन मिश्रा ने बताया कि प्राधिकरण को ज्ञापन देने के बावजूद उनकी मांगे पूरी नहीं हुई है। अब सोसायटी वासियों की ओर से सुबह रैली निकाली गई। रैली विशेष तौर पर मालिकाना हक और रजिस्ट्री की मांग को लेकर आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि जब तक फ्लैट के खरीदारों की रजिस्ट्री नहीं होती उन लोगों का विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

वहीं थाना सेक्टर-113 पुलिस ने रजिस्ट्री को लेकर विरोध रैली निकालने वाले लोगों को सेक्टर-76 के पास रोक लिया है। थाना प्रभारी कृष्ण गोपाल शर्मा ने बताया की रैली को सेक्टर-76 के पास रोक लिया गया है। मौके पर पुलिस के अधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद है। विरोध प्रदर्शन करने वाले लोगों से ज्ञापन लिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में बीएनएस की धारा 170 लगी है। इसलिए रैली रोका गया है।

बता दें कि नोएडा में फ्लैट खरीदारों को फ्लैट के मालिकाना हक के लिए लंबे समय से संघर्ष करना पड रहा है। इस मुद्दे को लेकर 50 से अधिक सोसायटी के खरीदारों ने शनिवार को मैराथन मीटिंग की जिसमें नोएडा की सोसाइटियों के समर्थन के साथ कार रैली निकालने निर्णय लिया गया है कि जो सेक्टर-75 से डीएम आवास तक निकाली जानी थी। लेकिन पुलिस ने धारा 163 लागू होने की वजह से परमिशन नहीं दी। परमिशन न मिलने से नाराज फ्लैट खरीदारों ने बिल्डरों और प्राधिकरण के खिलाफ नारेबाजी की सड़क पर आकर हंगामा किया जिसके बाद भारी पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है।

# आटा चक्की चलाते समय युवक का अंगौछा सॉफ्ट में फंसा, मौत



**नोएडा।** थाना दनकौर क्षेत्र के मंडी श्याम नगर में स्थित एक आटा चक्की पर काम करने वाले युवक के का सिर पर बंधा अंगोछा आटा चक्की के साफ्ट में लिपट गया। जिसकी वजह से उसके गले में फंदा लग गया तथा उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना दनकौर के प्रभारी निरीक्षक मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मंडी श्याम नगर में अरुण भाटी पुत्र इंद्रपाल की आटा मिल है। उन्होंने पुलिस को सूचना दी कि उनके यहां काम करने वाला राम अवतार पुत्र मनीष भाटी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम देवटा की चक्की चलाते समय सिर पर बंधे अंगोंछे की छोर चक्की के साफ्ट मे फंस गया, जिसकी वजह से उसके गले में फंदा लग गया ,तथा उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# पकड़े गए 13000 करोड़ की ड्रग्स केस में दो और आरोपी गिरफ्तार




**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश की सबसे बड़ी 13,000 करोड़ से अधिक की ड्रग्स (कोकेन व थाईलैंड का गांजा) की खेप पकड़े जाने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के दो और सदस्यों रवींद्र सिंह बसोया व जैक्शन फर्नांडिस को गिरफ्तार किया है। रवींद्र सिंह बसोया दुबई में छिपे अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट के सरगना वीरेंद्र सिंह बसोया का छोटा भाई है। वह सरोजनी नगर का रहने वाला है। अपने भाई के सिंडिकेट में शामिल होकर वह भी ड्रग्स तस्करी का धंधा कर रहा था। दूसरे का नाम जैक्शन फर्नांडिस है। वह मूलरूप से दक्षिण गोवा का रहने है लेकिन ड्रग्स के धंधे के लिए नबी मुंबई में रह रहा था।

डीसीपी अमित कौशिक के मुताबिक जैक्शन फर्नांडिस, वीरेंद्र सिंह बसोया सिंडिकेट के फाइनेंस का काम देखता था। इसी ने ड्रग्स के काले धंधे के लिए फर्जी तरीके से कई सेल कंपनियां बनाई थी। यह बसोया के धंधे का सारा हिसाब रखता था। दोनों की निशानदेही पर और ड्रग्स बरामद नहीं हो पाई है।

अब तक इस सिंडिकेट के 14 सदस्यों को स्पेशल सेल गिरफ्तार कर चुकी है। इनसे पूछताछ के बाद चेन में शामिल कई अन्य के पकड़े जाने की संभावना है। एक अक्टूबर को स्पेशल सेल ने महरौली स्थित एक गोदाम पर छापा मार वहां से गोदाम मालिक तुषार गोयल समेत चार ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया था।

गोदाम से 562 किलो कोकेन व 40 किलो थाईलैंड का गांजा बरामद किया था। इनसे पूछताछ के बाद तीन अक्टूबर को सेल ने अमृतसर एयरपोर्ट से इस सिंडिकेट के एक और सदस्य जतिंदर सिंह गिल उर्फ जस्सी को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर पंजाब के अमृतसर से एक फार्च्यूनर कार जब्त की थी। कार से 10 करोड़ मूल्य की एक किलो कोकेन बरामद हुई थी।

जांच में पता चला था कि विदेश से भारी मात्रा कोकेन की खेप भारत भेजने पर वीरेंद्र बसोया ने इंग्लैंड में रहने वाले अपने सिंडिकेट के सदस्य जतिंदर सिंह गिल को भारत भेजा था ताकि वह उक्त ड्रग्स की आपूर्ति दिल्ली, पंजाब, मुंबई व गोवा आदि राज्यों में बेहतर तरीके से कर सके।

एक अक्टूबर को महरौली से सिंडिकेट के चार सदस्यों के पकड़े जाने पर पुलिस से बचने के लिए जस्सी तीन अक्टूबर को रवींद्र बसोया की फार्च्यूनर कार लेकर पिलंजी गांव, सरोजनी नगर से पंजाब भाग गया था।

अमृतसर में अपने चाचा के घर पर कार छोड़कर जस्सी जब इंग्लैंड भागने के लिए अमृतसर एयरपोर्ट पर आया था तब उसे दबोच लिया गया था। उसकी निशानदेही पर अमृतसर से कार बरामद कर ली गई थी। कार में 10 करोड़ की कोकेन व एक मोबाइल फोन मिला था। उसी के बाद से रवींद्र सिंह बसोया फरार था।

# सोशल मीडिया पर धरना प्रदर्शन में भाग लेने की अपील करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**नोएडा।** थाना सेक्टर 63 में एक उपनिरीक्षक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को राज्य सरकार के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने के लिए उकसाया, जिसकी वजह से 100 से ज्यादा लोग एकत्रित हो गए तथा धरना प्रदर्शन कर लोक व्यवस्था प्रभावित किया।

थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि बीती रात को उप निरीक्षक कृष्ण कुमार यादव ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि गौतम बुद्ध नगर में धारा 163 बीएनएस लागू है, जिसकी वजह से 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों को एक स्थान पर एकत्रित होना, जुलूस निकालना प्रतिबंधित किया गया है। वह बीती रात को बहलोलपुर क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था ड्यूटी में मामूर थे, कि उन्हें सूचना मिली कि अतुल कुमार यादव पुत्र किरण पाल निवासी ग्राम बहलौलपुर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया है, जिसके द्वारा राज्य सरकार के खिलाफ जनता के लोगों को एकत्रित होने का आह्वान किया गया है। उसने कहा है कि अधिक से अधिक लोग घरों से निकलकर किसान आंदोलन में भाग लेकर अपनी मांगों के लिए संघर्ष करें, और मांगे पूरी ना होने पर अधिक से अधिक गिरफ्तारी दे। आरोपी ने कहा कि वह भी गिरफ्तारी देने जा रहा है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस वीडियो के वजह से 100 से ज्यादा लोग एनआरआई कट एक्सप्रेसवे रोड परी चौक पर एकत्रित हुए, जिसकी वजह से धरना प्रदर्शन कर लोक व्यवस्था प्रभावित किए जाने का कार्य किया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 192 तथा 353(1)(ड्ड) के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

**पूर्वोत्तर रेलवे**

**शुद्धि पत्र**

ई-खुली निविदा सूचना सं0 **सीपीएम-जीएस-आईजेडएन-2024-11** जो दिनांक 12.12.2024 को खोली जानी थी। प्रशासनिक कारणों से निरस्त की जाती है। इस शुद्धिपत्र को भारतीय रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

उप मुख्य इंजीनियर/गतिशक्ति
मुजाधि/डब्लू-320 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।




**TENDER NOTICE**

**Ushma Urja Sahkari Awas Samiti Ltd.**
**C-58/3, Sector -62, Noida**

Quotations are invited for the following services for one year
1. Security services
2. House keeping services
3. Electrical services

Tenders form can be had from Society office on 15/12/2024 from 11.00 AM to 2.00 pm.

**President**

**ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण**
प्लॉट नं.-1, नॉलेज पार्क-IV, ग्रेटर नौएडा सिटी, गौतमबुद्धनगर
वेबसाइट : www.greaternoidaauthority.in, ई-मेल : authority@gnida.in

पत्रांक: वरि.प्र./(ई-निविदा सेल)/2024/543ए दिनांक: 06.12.2024

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना**

महाप्रबन्धक (अभियन्त्रण) ग्रेटर नोएडा औद्यागिक विकास प्राधिकरण द्वारा मुख्य कार्यपालक अधिकारी, ग्रेटर नोएडा की ओर से ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-वरि.प्र./(ई-निविदा सेल)/2024/543 दिनांक 06.12.2024 के माध्यम से उल्लेखित क्रम संख्या-01 कार्य की ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं। समस्त नियम व शर्तें ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट **www.greaternoidaauthority.in** पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल **https://etender.up.nic.in** पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिए उक्त वेबसाईटें देखते रहें।

| क्र.सं. | कार्य का नाम/वर्क सर्किल | अनुमानित लागत |
|---|---|---|
| निर्माण कार्य | | |
| 1. | सैक्टर ईकोटेक-16 तक पहुंच मार्ग प्रदान करने के लिए खेड़ी मेन रोड़ से जौन समाना अंडरपास तक इंटरलॉकिंग टाइल्स लगाने का कार्य। (वर्क सर्किल-2) | रु. 222.03 लाख |

क्रम सं.-1 पर अंकित कार्य दिनांक **07.12.2024 से 20.12.2024 को 5:00 बजे** तक अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं की प्री-क्वालिफिकेशन दिनांक **23.12.2024 को 11:00 बजे** खोली जाएंगी

वरिष्ठ प्रबंधक (ई-निविदा सेल)

Follow Us On / OfficialGNIDA

**दैनिक चेतना मंच**

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

**RNI No. 69950/98**

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

**Contact:**
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

**E-mail:**
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

# ओपेक देश जारी रखेंगे तेल कटौती मगर भारत पर नहीं होगा असर

- अगले साल मार्च तक जारी रहेगी तेल की कटौती

**नई दिल्ली ।**

तेल उत्पादन और निर्यात करने वाले देशों के संगठन ओपेक प्लस ने कच्चे तेल के उत्पादन में मार्च 2025 तक चल रही कटौती में बनाए रखने का फैसला किया है। इस कटौती के कारण भारत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वैश्विक मांग में गिरावट और रूस से कच्चे तेल पर छूट के कारण भारत को किसी प्रकार की परेशानी की संभावना नहीं है। ओपेक प्लस देशों ने अपनी बैठक में उत्पादन में स्वैच्छिक कटौती जारी रखने पर सहमति दी है। इसके अनुसार चल रही 22 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती आगामी साल मार्च तक जारी रहेगी। इसके बाद सितंबर 2026 तक यह कटौती धीरे-धीरे घटाकर समाप्त हो जाएगी। अधिकारियों के अनुसार इस कटौती से भारत पर कोई प्रभाव नहीं होगा।

उनके अनुसार कटौती जारी रहने के बावजूद 2025 में मांग के मुकाबले 10 लाख बैरल रोजाना ज्यादा उत्पादन होगा। तेल की कीमतों में कमी की उम्मीद है। ओपेक प्लस 13 देशों का संगठन है जिसमें सऊदी अरब, ईरान, इराक, वेनुजुएला सहित अन्य देश शामिल हैं। ओपेक प्लस देशों के पास दुनिया भर के तेल उत्पादन का करीब 44 फीसदी और साबित तेल भंडार का 81.5 फीसदी हाथ में है। इस निर्णय से तेल बाजार में हलचल आ सकती है, लेकिन भारत को इसका सीधा प्रभाव नहीं पड़ेगा। मांग कम होने और गैर ओपेक स्रोतों से उत्पादन बढ़ने से अपेक्षित कीमतों में कमी हो सकती है। इससे तेल उत्पादकों के लिए चुनौतियां तो हो सकती हैं, लेकिन भारत को उन्हें स्वीकारने की तैयारी करनी चाहिए।

# भारत ने दोपहिया वाहनों की बिक्री ने स्थापित किया कीर्तिमान

**नई दिल्ली ।**

साल 2023 में भारत ने दोपहिया वाहनों की बिक्री में चीन को पीछे छोड़ दिया। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में चीन में 16.6 मिलियन यूनिट दोपहिया वाहन बेचे गए, जबकि भारत में यह आंकड़ा 17.10 मिलियन तक पहुंच गया।

यह सफलता ग्रामीण खपत में तेजी और एंट्री-लेवल निर्माताओं की ग्रामीण इलाकों में बढ़ती पहुंच का परिणाम है। भारत सरकार की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट्स क्षेत्र में भारी निवेश को प्रोत्साहित किया है। इस योजना के तहत एडवांस्ड ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी (एएटी) उत्पादों के घरेलू निर्माण को बढ़ावा देने के लिए 25,938 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने बताया कि योजना के तहत पांच टू-व्हीलर ओईएम को मंजूरी दी गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार ने कई कदम उठाए हैं। एडवांस केमिस्ट्री सेल (एसीसी) के निर्माण के लिए 18,100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें 50 गीगावाट घंटे की बैटरी उत्पादन क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य है। इसके अलावा, 15 मार्च, 2023 को इलेक्ट्रिक पैसेंजर कार मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक नई योजना अधिसूचित की गई, जिसमें 15 प्रतिशत की कम सीमा शुल्क पर पूरी तरह से निर्मित इकाइयों के आयात की अनुमति दी गई।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने बताया कि 28 नवंबर तक, पीएलआई-ऑटो योजना के तहत 82 आवेदकों को मंजूरी दी गई है। ये आवेदक देशभर में मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं और अनुसंधान केंद्रों की स्थापना में जुटे हैं। एएटी दोपहिया वाहन इस योजना के तहत निर्धारित बिक्री मूल्य पर 13 से 18 प्रतिशत तक के प्रोत्साहन के पात्र हैं।

# बीमा योजनाएं: सार्वजनिक बैंकों के लिए संकट

- जीवन ज्योति बीमा योजना के लिए लक्ष्य 4.1 करोड़ नामांकन, मगर हुआ 30 फीसदी नामांकन

**नई दिल्ली ।**

केंद्र सरकार ने विगत कुछ वर्षों से आम नागरिकों को बीमा की सुरक्षा देने के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) पर भरपूर जोर दिया है। ये योजनाएं आम जनता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं लेकिन आंकड़ों के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में इन दोनों योजनाओं की हासिल करने में कई समस्याएं आ रही हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए मिले आंकड़ों के मुताबिक सरकारी बैंकों ने सुरक्षा बीमा योजना के लिए तय किए गए 6.4 करोड़ के कुल नामांकन लक्ष्य में से बमुश्मिल 40 फीसदी ही हासिल किया था। जीवन ज्योति बीमा योजना के लिए सरकारी लक्ष्य 4.1 करोड़ नामांकन है मगर केवल 30 फीसदी नामांकन हुआ है। पीएमएसबीवाई योजना के तहत बैंक या पोस्ट ऑफिस खाता रखने वाले 18-70 वर्ष के व्यक्तियों को मुत्यु या विकलांगता की स्थिति में बीमा कवरेज की पेशकश की जाती है। इसे सबस्क्राइब करने के लिए 20 रुपये का सालाना

प्रीमियम देना होता है। पीएमजेजेबीवाई योजना में 18-50 वर्ष की उम्र के व्यक्तियों को किसी भी परिस्थिति में हुई मौत की स्थिति में बीमा कवरेज मिलती है, जिसके लिए उन्हें 436 रुपये का सालाना प्रीमियम चुकाना पड़ता है। सरकारी बैंकों में बैंक ऑफ इंडिया केवल 11 फीसदी नामांकन करने में सफल हुई है, जबकि अन्य बैंकों में इस हिसाब से भी कम नामांकन हुआ है। भारत में इन बीमा योजनाओं की कम हिस्सेदारी के बावजूद, बीमा क्षेत्र से जुड़े लोगों की संख्या में धीमी गति से वृद्धि हो रही है, जिसका संकेत यह समझा जा सकता है कि लोग इस महत्वपूर्ण सुरक्षा योजनाओं के महत्व को समझ रहे हैं। सरकार को इन बीमा योजनाओं को सफल बनाने के लिए अधिक प्रचार और जन संचार की आवश्यकता है ताकि अधिक से अधिक लोग इन योजनाओं का उपयोग कर सकें और उनकी सुरक्षा में समर्थ हो सकें।

# कंपनी जगत द्वारा कर्मचारियों को कम वेतन देना आत्मघाती हो सकता है: नागेश्वरन

- उपभोक्ता मांग पर पड़ सकता है प्रतिकूल प्रभाव

**नई दिल्ली ।**

वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि भारतीय कंपनी जगत द्वारा कर्मचारियों को अपेक्षाकृत कम वेतन देना आत्मघाती हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसका उपभोक्ता मांग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विश्लेषकों ने जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात तिमाही में सबसे कम 5.4 फीसदी रहने के पीछे शहरी क्षेत्रों में कम वेतन वृद्धि को एक प्रमुख कारण बताया था और नागेश्वर ने इसी संदर्भ में यह टिप्पणी की। एसोचैम के एक कार्यक्रम में नागेश्वरन ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में कारोबारी जगत का मुनाफा 15 साल में सबसे अधिक 4.8 फीसदी रहा था। उन्होंने कहा` कि सूचीबद्ध निजी कंपनियों की कर्मचारी लागत घट रही है। कंपनियों ने मुनाफे का इस्तेमाल अपना कर्ज घटाने में किया है। लेकिन अब पूंजी निर्माण के साथ रोजगार वृद्धि के सही तालमेल का समय आ गया है। इसके बिना कंपनियों के उत्पादों के लिए अर्थव्यवस्था में पर्याप्त मांग नहीं आएगी। दूसरे शब्दों में कर्मचारियों को पर्याप्त वेतन भुगतान नहीं होने से अंततः कारोबारी जगत को ही नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। जीडीपी आंकड़ों पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एक विश्लेषक की रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी मांग में तेजी नहीं आने से निजी खपत वृद्धि नरम रही। रिपोर्ट में कहा गया कि खपत मांग में कमी कंपनियों की लाभ वृद्धि में गिरावट के साथ ही शहरी वेतन वृद्धि में मंदी को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में शहरी मांग में नरमी आनी शुरू हुई थी और शहरी क्षेत्रों में वेतन वृद्धि भी कम रही थी। यह रुझान वित्त वर्ष 2025 में भी जारी रह सकता क्योंकि कंपनियों की मुनाफा वृद्धि घटी है। सितंबर तिमाही में कम जीडीपी वृद्धि के बारे में नागेश्वरन ने कहा कि इन आंकड़ों में मौसमी प्रभाव को शामिल नहीं किया गया था और बाद में वृद्धि दर के आंकड़े को संशोधित कर बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 6.5 से 7 फीसदी वृद्धि दर का अनुमान अभी भी हासिल किया जा सकता है।

# आरबीआई ने प्रवासी भारतीयों की विदेशी मुद्रा जमा पर ब्याज दरें बढ़ाईं

- नया नियम 31 मार्च तक ही लागू रहेगा

**मुंबई ।**

भारतीय रिजर्व बैंक ने अनिवासी भारतीयों की विदेशी मुद्रा जमाओं पर ब्याज दर सीमा बढ़ाने का ऐलान किया। इस प्रस्ताव के पीछे का कारण है रुपये के मुकाबले डॉलर के अधिकतम निचले स्तर पर पहुंचना। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने घोषणा की कि विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक जमाओं पर ब्याज दर की सीमा को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। अब बैंकों को नए एफसीएनआर (बी) जमाओं के लिए नई व्यावसायिक अवधि प्रदान की गई है, जिसमें एआरआर दर बढ़कर चार प्रतिशत पर होगी। यह उनके लिए एक अच्छा वैकल्पिक संदर्भ दर हो सकता है, जो तीन से पांच वर्ष की अवधि वाली जमाओं को लेकर प्लस पांच प्रतिशत दर पर जुटा सकते हैं। आरबीआई के गवर्नर ने इस नए नियम को 31 मार्च तक ही लागू रहने की स्पष्ट जानकारी भी दी। इस समय रुपये में अस्थिरता को कम करने के लिए रिजर्व बैंक विवेकपूर्ण दृष्टिकोण बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। विदेशी मुद्रा-खुदरा मंच के माध्यम से भारत कनेक्ट को बढ़ाने की भी घोषणा करते

हुए, गवर्नर ने कहा कि विदेशी मुद्रा के मूल्य में अधिक पारदर्शिता और निष्पक्षता के इरादे से सीसीआईएल ने 2019 में एफएक्स-रिटेल मंच का पेशकश किया था। जो अब भारत कनेक्ट के अंतर्गत एनपीसीआई भारत कनेक्ट द्वारा संचालित हो सकता है।

## रुपया बढ़त पर बंद

**नई दिल्ली ।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ ही 84.69 पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे मजबूत होकर 84.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी के ताजा प्रवाह ने निवेशकों की धारणा को समर्थन दिया। हालांकि घरेलू बाजारों में सुस्त प्रवृत्ति ने रुपये पर दबाव डालने का काम किया। इसके अलावा निवेशकों को आरबीआई की मौद्रिक नीति का भी इंतजार है। इस नीति में मुद्रास्फीति और आर्थिक वृद्धि के बीच संतुलन साधने की कोशिश की जा सकती है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.66 प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ 84.64 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, ये पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 84.71 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ ही 105.78 पर रहा।

## टॉरेंट पावर ने क्यूआईपी से जुटाए 3,500 करोड़

- कंपनी की चुकता शेयर पूंजी 480.62 करोड़ से बढ़कर 503.90 करोड़ हुई

**नई दिल्ली ।** बिजली कंपनी टॉरेंट पावर ने पात्र संस्थागत आवंटन (क्यूआईपी) के जरिये 1,503 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 2.32 करोड़ शेयर जारी कर 3,500 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इस निर्गम में शेयरों के आवंटन के हिसाब से कंपनी की चुकता शेयर पूंजी 480.62 करोड़ रुपये से बढ़कर 503.90 करोड़ रुपये हो गई है। इसमें 10 रुपये प्रति शेयर के 48,06,16,784 शेयर शामिल हैं। निदेशक मंडल की कोष जुटाने वाली समिति ने गुरुवार को अपनी बैठक में पात्र संस्थागत खरीदारों को 1,503 रुपये प्रति शेयर (1,493 रुपये प्रति शेयर के प्रीमियम सहित) के निर्गम मूल्य पर 2,32,86,759 शेयरों के निर्गम एवं आवंटन को मंजूरी दी थी। इस तरह कुल राशि करीब 3500 करोड़ रुपये बैठती है। कंपनी ने पहले कहा था कि उसके बिजली उत्पादन, वितरण कारोबार और चालू परियोजनाओं के उन्नयन एवं विस्तार के लिए कार्यशील पूंजी और पूंजीगत व्यय की निरंतर जरूरत है।

# शेयर बाजार गिरावट पर बंद

**मुम्बई ।**

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुए। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रीपो रेट को लगातार 11वीं बार 6.5 फीसदी पर स्थिर रखने के बाद बाजार में ये गिरावट आई है। वहीं इससे पहले लगातार पांच कारोबार सत्र में बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट रही।

दिन भर के बारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 56.74 अंक करीब 0.07 फीसदी नीचे आकर 81,709.12 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 30.60 अंक करीब 0.12 फीसदी की हल्की गिरावट के साथ ही 24,677.80 अंक पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स का शेयर सबसे ज्यादा नीचे आकर बंद हुआ। इसके अलावा एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, अल्ट्रा सीमेंट, एचडीएफसी बैंक, कोटक बैंक,

स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट रही। वहीं टाटा मोटर्स का शेयर 3 फीसदी से ज्यादा ऊपर आया। साथ ही एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, आईटीसी, टाटा स्टील, एलएंडटी, टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील, नेस्ले इंडिया के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे। बाजार जानकारों के अनुसार आरबीआई के तरलता की स्थिति को आसान बनाने के लिए बैंकों के कैश रिजर्व रेश्यो यानी सीआरआर (सीआआर) को 4.5 से घटाकर 4 फीसदी किये जाने से भी बैंक स्टॉक्स नीचे आये। इसके अलावा इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले एचडीएफसी बैंक , रिलायंस इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयरों में गिरावट नीचे आया। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

इसके पहले आज सुबह बाजार मिलेजुले रुख के साथ खुले। सेंसेक्स जहां 100 अंक से अधिक चढ़कर खुला वहीं निफ्टी बढ़त पर खुलने के बाद गिरावट पर पहुंच गया। सेंसेक्स 100 से ज्यादा अंक चढ़कर 81,887.54 अंक पर खुला। निफ्टी भी मामूली बढ़त के साथ 24,729.45 अंक पर खुला। हालांकि बाजार खुलने के कुछ ही देर में दोनों इंडेक्स गिरावट में आ गये।

## नवंबर के दूसरे पखवाड़े में विदेशी निवेशक बने शुद्ध खरीदार

- भारतीय शेयर बाजार में 809 करोड़ रुपए का निवेश किया

**नई दिल्ली ।** एक रिपोर्ट के अनुसार नवंबर की दूसरी छमाही में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 809 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसके मुकाबले, पहली छमाही में इन निवेशकों ने 22,400 करोड़ रुपए से अधिक की निकासी की थी। इस छमाही में वित्तीय सेवाओं और आईटी शेयरों में निवेश किया गया था, जबकि तेल और गैस तथा ऑटो शेयरों से मुख्य रूप से निर्वाह किया गया था। वित्तीय सेवाओं के शेयरों में 9,597 करोड़ रुपए की खरीद हुई, जबकि आईटी शेयरों में 2,429 करोड़ रुपए की बिक्री हुई। तेल और गैस शेयरों में 6,132 करोड़ रुपए की बिक्री हुई। अमेरिकी अर्थव्यवस्था के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के कारण, आईटी में निवेश किया गया। बैंकिंग शेयरों में भी वृद्धि हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार एफपीआई ने वित्तीय क्षेत्र में 28.94 प्रतिशत निवेश किया, जबकि आईटी में 9.9 प्रतिशत निवेश किया। इसमें एफएमसीजी, रियल्टी और कैपिटल गुड्स शेयरों में भी बड़ी खरीदारी की गई। इस रिपोर्ट के साथ विदेशी निवेशकों का अपने निवेश धाराओं में बदलाव करने की उम्मीद की जा रही है, जो भारतीय बाजारों के लिए एक सकारात्मक संकेत हो सकता है।

# भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर में जोरदार तेजी

- भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर के लिए 340 रुपए का टारगेट प्राइस बताया गया

**मुंबई ।**

देश की एक सरकारी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिले रही है। यह कंपनी ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) बनाती है और इसके शेयर फिलहाल 314 रुपये के स्तर पर है, जो 340 रुपये तक जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टॉक मार्केट के टेक्निकल एक्सपर्ट ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर के लिए 340 रुपये का टारगेट प्राइस बताया है। एक टेक्निकल एनालिस्ट की माने तो यह शेयर अगले 3-4 सप्ताह में 340 रुपये के लेवल को टच कर सकता है। इसके लिए टेक्निकल चार्ट और प्राइस एक्शन भी समर्थन दे रहे हैं। इसके अलावा सरकार के डिफेंस सेक्टर में लिए गए फैसले से डिफेंस सेक्टर के शेयरों में भी अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि डिफेंस एक्विजिशन कॉउंसिल ने डिफेंस सेक्टर से जुड़े 21772 करोड़ रुपये की पांच योजनाओं को मंजूरी दी है, जिसके चलते सेक्टर में उत्साह देखा जा रहा है। इस रौनक के संग भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर भी उछाल दिखा रहे हैं। टेक्निकल एक्सपर्ट ने 12 सप्ताह के कंसोलिडेशन के बाद इसे वीकली चार्ट पर ब्रेकआउट कहा है, जिससे उनकी सुझाव से इसमें

बड़ी तेजी की संभावना बनी है। एक इक्विटी डेरिवेटिव टेक्निकल एनालिस्ट ने इस शेयर के लिए भी अच्छी खबर दी है। उन्होंने बताया कि इसके करंट टेक्निकल सेटअप के आधार पर यह 340 रुपये के स्तर तक जा सकता है, साथ ही 293 रुपये के स्टॉप लॉस के साथ खरीदने की सलाह दी है। इस तेजी के दौरान भारतीय शेयर बाजार में उत्साह और उम्मीद की लहर छाई है।

भविष्य में भी इस कंपनी के शेयर में और तेजी की संभावना है और निवेशकों के लिए यह एक अच्छा मौका हो सकता है।

## आरबीआई अब किसानों को बिना गारंटी के देगा दो लाख रुपये तक कर्ज

- किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

**मुंबई ।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई से प्रभावित किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आरबीआई ने गारंटी के बिना अब किसानों के लिए दो लाख रुपये तक का कर्ज उपलब्ध कराने की घोषणा की है। गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बताया कि मुद्रास्फीति और कृषि में उपयोग होने वाले कच्चे माल की लागत में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सीमा को 1.6 लाख रुपये से बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दिया गया है। यह निर्णय किसानों के लिए बड़ी राहत होगी और उन्हें वित्तीय मदद पहुंचाने में सहायक होगा। इस निर्णय से छोटे और सीमांत किसानों का बढ़ेगा वित्तीय संस्थानों से कर्ज लेने का दायरा। यह उन्हें अधिक पूंजी प्राप्त करने में मदद करेगा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाएगा। आरबीआई ने इस मौद्रिक नीति समीक्षा के संदर्भ में जल्द ही परिपत्र जारी करने का भी ऐलान किया है। यह कदम भारतीय किसानों के लिए ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

## सुरक्षा डायग्नोस्टिक के शेयर 437 रुपये प्रति शेयर पर हुए लिस्ट

- निवेशकों को नहीं हुआ फायदा

**नई दिल्ली।** सुरक्षा डायग्नोस्टिक के आईपीओ की शेयर बाजार में फीकी एंट्री हुई। बीएसई पर सुरक्षा डायग्नोस्टिक के शेयर 437 रुपये प्रति शेयर पर लिस्ट हुए, जो 0.90 प्रतिशत का डिस्काउंट दर्शाता है। कंपनी का आईपीओ का प्राइस बैंड 441 रुपये तय किया गया था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सुरक्षा डायग्नोस्टिक के शेयर प्राइस बैंड की तुलना में 0.68 प्रतिशत के डिस्काउंट के साथ 438 रुपये पर लिस्ट हुए। 846.25 करोड़ रुपये के इस पब्लिक ऑफर का प्राइस बैंड 420-441 रुपये प्रति शेयर रखा गया था। इसमें 34 शेयरों का एक लॉट था। आईपीओ में कुल 1,70,65,280 शेयरों के लिए बोलियां आईं, जबकि ऑफर में 1,34,32,533 शेयर थे। इस तरह यह आईपीओ 1.27 गुना सब्सक्राइब हुआ। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स ने इश्यू को सबसे ज्यादा 1.74 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स ने 1.41 गुना सब्सक्राइब और रिटेल निवेशकों ने 0.95 प्रतिशत सब्सक्राइब किया था। सुरक्षा डायग्नोस्टिक की स्थापना 2005 में हुई थी और इसका हेडक्वार्टर कोलकाता में है। यह कंपनी पश्चिम बंगाल, बिहार, असम और मेघालय सहित भारत के कई क्षेत्रों में इंटीग्रेटेड डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान करती है। इसमें पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी और विशेष डायग्नोस्टिक सॉल्यूशन शामिल हैं।

## रुपे क्रेडिट कार्ड के जरिए लेनदेन में जबरदस्त उछाल

**नई दिल्ली ।** यूपीआई से जुड़े रुपे क्रेडिट कार्ड के जरिए लेनदेन में वित्त वर्ष 2024 के पहले सात महीनों में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। अप्रैल से अक्टूबर 2024 तक 63,825.8 करोड़ रुपये के कुल 750 मिलियन लेनदेन हुए। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष 2024 की समान अवधि की तुलना में दोगुने से भी अधिक है, जब कुल 33,439.24 करोड़ रुपये के 362.8 मिलियन लेनदेन दर्ज किए गए थे। यूपीआई से जुड़े रुपे क्रेडिट कार्ड की सुविधा सितंबर 2022 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना और यूपीआई उपयोगकर्ताओं को क्रेडिट लेनदेन का एक आसान विकल्प प्रदान करना है। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संसद में बताया कि सरकार ने टियर-2 और उससे नीचे के क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। रुपे क्रेडिट कार्ड पर यूपीआई का जुड़ना इन्हीं पहलों का हिस्सा है। सरकार ने छोटे व्यापारियों को राहत देते हुए 2,000 रुपये तक के लेनदेन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) और इंटरचेंज शुल्क को शून्य कर दिया है। इससे छोटे और मध्यम व्यापारियों के लिए डिजिटल भुगतान को बढ़ावा मिलेगा।

**खास खबर**

## विश्व के सबसे तेज गेंदबाज बने सिराज

**एडीलेड ।** भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज यहां कुछ समय के लिए दुनिया के सबसे तेज गेंदबाज बन गये। ऐसा तकनीकी गलती के कारण हुआ। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट के पहले दिन सिराज की स्पीड गन ने तकनीकी खामी के कारण 181.6 किमी प्रति घंटे की गति से गेंद फेंकते दिखा दिया। यह घटना ऑस्ट्रेलियाई पारी के 25वें ओवर की है। उस समय सिराज ने बाहर की ओर एक लंबी गेंद फेंकी। इकसे बाद स्क्रीन पर रफ्तार 181.6 किलोमीटर प्रति घंटा दिखी। यह देखते ही स्टेडियम में मौजूद प्रशंसक भी हैरान हो गये। इस गलती को प्रशंसकों ने तुरंत पकड़ लिया और सोशल मीडिया पर मीम आने शुरू हो गये। गौरतब है कि पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के नाम इस समय क्रिकेट में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में 2003 विश्व कप के दौरान इंग्लैंड के खिलाफ 161.3 किलोमीटर प्रति घंटे (100.23 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से गेंद फेंकी थी।

## भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट में पहुंचे रिकार्ड दर्शक

**एडीलेड।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट में भी भारी तादाद में दर्शक स्टेडियम पहुंचे। दोनो ही टीमों के बीच दिन-रात के इस मैच में पहले ही दिन एडीलेड ओवल में रिकार्ड दर्शक मैच देखने पहुंचे। यहां 36,225 प्रशंसक मैच देखने पहुंचे। ये किसी टेस्ट मैच में दर्शकों की मौजूदगी का नया रिकॉर्ड है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ड्रों के अनुसार इससे पहले साल 2011-12 की सीरीज के दौरान 35,081 दर्शक स्टेडियम पहुंचे थे। इसमें मेजबान टीम ने भारतीय टीम को 4-0 से हराया था। इस स्टेडियम की कुल क्षममा 53,500 दर्शकों की है। यहां पहले से ही दर्शकों की भीड़ आने का अनुमान था क्योंकि दोनो टेस्ट के बीच लंबा अंतर देखा गया। इससे पहले पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में भी पहले टेस्ट के लिए प्रशंसक रिकॉर्ड संख्या में पहुंचे थे। सीए के अनुसार पर्थ स्टेडियम में शुरूआती दो दिन में पर्थ में किसी भी टेस्ट मैच में उपस्थिति का नया रिकॉर्ड बना।

## डुमिनी ने बल्लेबाजी कोच का पद छोड़ा

**जोहानिसबर्ग।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जेपी डुमिनी ने सीमित ओवरों की टीम के बल्लेबाजी कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। डुमिनी ने कहा कि वह निजी कारणों से पद छोड़ रहे हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने डुमिनी के पद छोड़ने की घोषणा की है। डुमिनी ने पिछले साल मार्च में दक्षिण अफ्रीकी टीम के बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। सीएसए ने कहा कि उन्होंने आपसी सहमति के तुरंत बाद पद छोड़ दिया। सीएसए ने सोशल मीडिया में कहा, पूर्व क्रिकेटर डुमिनी मार्च 2023 में अपनी नियुक्ति के बाद से सीमित ओवरों की टीम के कोचिंग स्टाफ के प्रमुख सदस्य रहे हैं पर अब उन्होंने पद छोड़ दिया है। ऐसे में शीघ्र ही उनके स्थान पर सीमित ओवरों की टीम के लिए नये बल्लेबाजी कोच की नियुक्ति की जाएगी। गौरतलब है कि डुमिनी ने दक्षिण अफ्रीका की ओर से साल 2004 से 2019 के बीच 15 साल तक खेला है।

**एडिलेड डे नाइट टेस्ट**

# ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 337 रन पर समाप्त

- ट्रैविस हेड का शतक, लाबुशेन ने खेली अर्धशतकीय पारी

एजेंसी

**एडिलेड।** ऑस्ट्रेलिया ने यहां भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 337 रन बनाए। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया की कुल बढ़त अब 157 रनों की हो चुकी है। हेड ने 141 गेंदों पर 17 चौके और 4 छक्के की बदौलत 140 रन बनाए। हेड के अलावा मार्नश लाबुशेन ने भी 64 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली।

भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए थे। भारत को 180 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने आई ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी शुरूआत खराब रही और केवल 24 रनों के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। ख्वाजा ने 13 रन बनाए। यहां से लाबुशेन और नाथन मेकस्विनी ने संभलकर खेलते हुए दूसरे विकेट के लिए 67 रनों की साझेदारी की। 91 के कुल स्कोर पर बुमराह ने मेकस्विनी को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। स्टीव स्मिथ कुछ खास नहीं कर सके और 103 के कुल स्कोर पर 2 रन बनाकर बुमराह का शिकार बने। यहां से लाबुशेन और हेड ने चौथे विकेट के लिए 65 रन जोड़े। 168 के कुल स्कोर पर नीतीश रेड्डी ने लाबुशेन को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। लाबुशेन ने 64 रन बनाए। 208 के कुल स्कोर पर मिचेल मॉर्श 9 रन बनाकर अश्विन का शिकार बने। एलेक्स कैरी (15) को सिराज ने 282 के कुल स्कोर पर पवेलियन भेजा। सिराज ने 310 रनों के कुल योग पर हेड के रूप में भारत को बड़ी सफलता दिलाई। सिराज ने अपने बेहतरीन यॉर्कर पर हेड को बोल्ड किया। हेड ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 141 गेंदों का सामना किया और 17 चौके और 4 छक्के लगाए। 332 के कुल स्कोर पर बुमराह ने पैट कमिंस को बोल्ड कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। कमिंस ने 12 रन बनाए। सिराज ने इसके बाद मिचेल स्टॉर्क को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को नौवां झटका दिया। सिराज ने 337 के कुल स्कोर पर स्कॉट बोलैंड को बोल्ड कर ऑस्ट्रेलियाई पारी का अंत किया। नाथन लियोन 4 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने 4-4 और नीतीश रेड्डी और रविचंद्रन अश्विन ने 1-1 विकेट लिया। भारत की पहली पारी 180 पर सिमटी, नीतीश रहे शीर्ष स्कोररइससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश रेड्डी शीर्ष स्कोरर रहे, उन्होंने 42 रन बनाए। नीतीश के अलावा केएल राहुल ने 37, शुभमन गिल ने 31, रविचंद्रन अश्विन ने 22 और ऋषभ पंत ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 6 विकेट झटके।

### राहुल-गिल के बीच 69 रनों की साझेदारी

इसके बाद केएल राहुल और शुभमन गिल ने मिलकर भारतीय पारी को संभालने की कोशिश की और दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। खतरनाक दिख रही इस जोड़ी को स्टॉर्क ने अपने दूसरे स्पैल की पहली गेंद पर केएल राहुल को आउट कर तोड़ा। राहुल ने 37 रन बनाए। विराट कोहली कुछ खास नहीं कर सके और केवल 7 रन बनाकर स्टॉर्क का तीसरा शिकार बने।

# भारतीय हॉकी टीम अपना खिताब बचाने को तैयार

एजेंसी

**मस्कट।** भारतीय जूनियर महिला टीम मस्कट, ओमान में महिला जूनियर एशिया कप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पूरी तरह तैयार है, क्योंकि उनका लक्ष्य पिछले साल के अपने खिताब का बचाव करना है। 7 से 15 दिसंबर 2024 तक होने वाला यह टूर्नामेंट एफआईएच जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफाइंग इवेंट के रूप में भी काम करेगा, जो चिली में आयोजित किया जाएगा। भारत का नेतृत्व कोच तुषार खांडकर, कप्तान ज्योति सिंह और उपकप्तान साक्षी राणा करेंगे। टीम में दीपिका, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुनेलिता टोप्पो और मुमताज खान जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं, जो पिछले साल की

**महिला जूनियर एशिया कप**

खिताबी जीत के बाद से सीनियर टीम के लिए खेल चुके हैं और टूर्नामेंट के दौरान बाकी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। पिछले साल भारत ने फाइनल में दक्षिण कोरिया को 2-1 से हराकर पहली बार खिताब जीता था। भारत को पूल ए में रखा गया है और उसका मुकाबला चीन, मलेशिया, थाईलैंड और बांग्लादेश से होगा। पूल बी में दक्षिण कोरिया, जापान, चीनी ताइपे, हांगकांग और श्रीलंका शामिल होंगे। प्रत्येक टीम अपने पूल में प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी से एक बार भिड़ेगी और प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें न केवल सेमीफाइनल में जगह पक्की करेंगी, बल्कि अगले साल एफआईएच जूनियर विश्व कप में भी जगह बनाएंगी। प्रत्येक पूल की तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम जूनियर विश्व कप के लिए अंतिम स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेगी। कप्तान ज्योति सिंह ने कहा, ह्लहम मैदान पर उतरने और टूर्नामेंट की जोरदार शुरूआत करने के लिए उत्साहित हैं। खिताब बचाना चुनौतीपूर्ण होने वाला है लेकिन मुझे यकीन है कि टीम अपना सब कुछ देगी और हमारे देश को गौरवान्वित करेगी। यह टूर्नामेंट इसलिए भी बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि जूनियर विश्व कप के लिए क्वालीफिकेशन दांव पर है इसलिए हम फिर से खिताब घर लाने के लिए दोगुना प्रतिबद्ध हैं।"

# रोहित के डिफैंस में गलती : गिलक्रिस्ट

एजेंसी

**एडिलेड ।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से वापसी करते हुए केवल 3 रन ही बना पाये। गुलाबी गेंद से शुरू हुए इस मैच में रोहित के रन नहीं बनाने से प्रशंसकों को जहां निराश हुई है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट का मानना है कि भारतीय कप्तान के डिफेंस में गलती हैं जिसके कारण ही उनका फ्रंट फुट फंस गया था, जिसके कारण ही

वह स्कॉट बोलैंड की गेंद का शिकार बने। रोहित पहले टेस्ट से बाहर होने के कारण इस मैच में मध्यक्रम में उतरे थे पर वह लय हासिल नहीं कर पाये और एलबीडब्लयू हो गये। बोलैंड ने रोहित को फुलर गेंद फेंकी जिसे रोहित समझ नहीं पाए। गेंद पैड पर लगी और अपील होने पर अंपायर ने पगबाधा आऊट दे दिया। बोलैंड को इस मैच में तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड की जगह पर शामिल किया गया है। हेजलवुड चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर हैं। बोलैंड लंबे जिसका भी पूरा लाभ उनको गेंदबाजी में मिला।

# पृथ्वी अपनी सोच बदले और फिटनेस पर ध्यान दे : परांजपे

एजेंसी

**मुम्बई ।** युवा बल्लेबाज पृथ्वी शॉ आजकल बेहद खराब दौर से गुजर रहे है। आईपीएल नीलामी में उन्हें जहां कोई खरीददार नहीं मिला। वहीं घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। उन्हें फिटनेस के आधार पर रणजी ट्रॉफी से भी बाहर कर दिया गया। पृथ्वी की कप्तानी में ही भारतीय टीम ने साल 2018 में अंडर-19 विश्व कप जीत था और तभी से उन्हें भविष्य का स्टार माना जा रहा था पर आज 25 साल की उम्र में वह एक असफल खिलाड़ी बनते जा रहे हैं। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेलते हुए भी वह बल्लेबाजी में असफल रहे है। इसी को देखते हुए पूर्व क्रिकेटटर जतिन परांजपे ने कहा है कि पृथ्वी को अपनी सोच बदलनी होगी। इसके साथ ही उन्हें फिट होने के लिए कुछ

वजन कम करना होगा। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, अगर मैं पृथ्वी होता, तो मैं जल्दी से मूल्यांकन करता और निष्कर्ष निकालता कि फिटनेस एक बड़ी कमी है। इसके बिना क्रिकेट में उसका भविष्य नहीं है। मेरा मानना है कि उसके करीब 10 किलोग्राम वजन कम करना होगा। उन्होंने कहा, अगर मैं उनकी जगह होता, तो मैं रामजी श्रीनिवासन के साथ चेन्नई में 10 दिन बिताता और अगले दो या तीन साल पूरी तरह से इस बदलाव के लिए समर्पित कर देता।

## पहले टेस्ट के दौरान दो बार गयी बिजली

**एडिलेड ।** भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे टेस्ट मैच में दो बार बिजली गुल होने से भारतीय टीम के तेज गेंदबाज हर्षित राणा परेशान हो गये। यहां जारी दिन-रात के इस मैच में भारतीय टीम जब गेंदबाजी कर रही थी तो दो बार स्टेडियम की बत्ती गुल हो गई। इससे भारतीय खिलाड़ियों के साथ ही अंपायर भी परेशान दिखे। इस दौरान बिजली गुल होने से दो बार मैच रोका गया। पहली बार 18वें ओवर में बिजली गयी। उस समय हर्षित गेंदबाजी कर रहे थे और मैकस्विनी बल्लेबाजी कर रहे थे। इसी दौरान फ्लड लाइट बंद हो जाने से मैदान पर अंधेरा हो गया और प्रशंसक चिल्लाने लगे। कुछ ही देर में लाइट वापस आ गई पर मैच उतनी देर के लिए रुका रहा। हर्षित ने इसके बाद दो गेंद की। जैसे ही वह पांचवीं गेंद फेंकनले गए, एक बार फिर लाइट बंद हो गई।

# एचआईएल में बेहतर प्रदर्शन पर हैं आमिर की नजरें

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान आमिर अली की नजरें आगामी हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में बेहतर प्रदर्शन पर लगी हुई हैं। आमिर को नीलामी में टीम गोनासिका ने 34 लाख रुपए में खरीदा था। इस खिलाड़ी का यहां तक का सफर कठिन रहा है। आमिर ने कहा कि वह अपनी परिवार की आर्थिक हालत को बेहतर बनाना चाहते थे। इसी कारण वह हॉकी में मेहनत करने लगे।

उल्लेखनीय है कि आमिर एक डिफेंडर हैं और ने हाल ही में भारतीय टीम को जूनियर एशिया कप खिताब दिलाया और अब वह अपनी जीत की लय को जारी रखने के उद्देश्य से आगामी

हॉकी इंडिया लीग में खेलने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, जूनियर एशिया कप जीतने से उनका मनोबल बढ़ा है और वह जीत की इस लय को लीग में भी जारी रखना चाहते हैं। इस युवा के अनुसार एचआईएल में सीनियर खिलाड़ियों के अनुभवों का लाभ भी उन्हें मिलेगा।

आमिर का हॉकी इंडिया लीग से जुड़ाव उनके बचपन से है। वह मनप्रीत सिंह को आदर्श मानते हैं और लखनऊ में एचआईएल मैच खेलते देखने के लिए 10 किलोमीटर पैदल चलकर जाते थे। अब उन्हें टीम गोनासिका में अपने आदर्श मनप्रीत सिंह के साथ खेलने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, यह सोचना कि मैं कभी एचआईएल मैच देखने गया था और अब मैं उनमें खेलूंगा, एक बहुत ही खास एहसास है। मेरे माता-पिता गर्व महसूस करते हैं और इससे मुझे बहुत खुशी मिलती है। मैं अपने आदर्श मनप्रीत सिंह के साथ खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं और उनसे सीखने और उनके मार्गदर्शन में अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्सुक हूं। युवा डिफेंडर आगामी सत्र के लिए अपने लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट हैं। मैं अपना 100 प्रतिशत देना चाहता हूं और यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि टीम गोनासिका अच्छा प्रदर्शन करे। मुझे बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है, और मैं टीम की सफलता में योगदान देकर उस विश्वास को चुकाने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। आगामी सत्र के लिए मेरा लक्ष्य अपनी टीम के साथ एचआईएल ट्रॉफी उठाना है।

# बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतना है कमिंस का लक्ष्य

एजेंसी

**एडिलेड।** ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस का लक्ष्य भारत से जारी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतना है। कमिंस का कहना है कि उन्होंने अब तकअपने करियर में अन्य सब खिताब जीते हैं पर उन्हें ये ट्रॉफी नहीं मिल पायी है। कमिंस ने अपनी कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप के साथ ही एशेज और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती है पर वह एक बार भी बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाए है। इसलिए इस बार उनका लक्ष्य इस कमी को पूरी करना है। कमिंस ने 2011 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था लेकिन उन्होंने भारत के

खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच 2017 में खेला था। ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाया है। पर्थ में पहले टेस्ट मैच में 295 रन की करारी हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पांच मैच की सीरीज में 0ञ1 से पीछे है पर कमिंस को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम वापसी में सफल रहेगी। कमिंस के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के ड्रेसिंग रूम में मौजूद कई खिलाड़ियों ने अभी तक बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है। इसलिए ये सीरीज हमारे लिए अहम है। साथ ही कहा कि पिछले कुछ वर्षों में हमने चुनौतियों का डटकर सामना करके अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें इस सीरीज में भी ऐसा करने की जरूरत है। कमिंस से पूछा गया कि क्या उन पर बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने का दबाव है, उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हम पर किसी तरह का दबाव है। साथ ही कहा कि आप अपने घरेलू मैदान पर सीरीज खेल रहे हैं और आप अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। हम जानते हैं कि भारतीय टीम बेहद मजबूत है और हमें उसके खिलाफ पिछली तीन सीरीज में हार का सामना करना पड़ा हैं।

# ट्रॉफी के बिना सब है बेकार : मैक्सवेल

एजेंसी

**मुम्बई ।** ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। मैक्सवेल पंजाब किंग्स के कप्तान भी रहे थे पर मेंटोर वीरन्द्र सहवाग से मतभेद के बाद उन्हें टीम छोड दी। वह 2014 में किंग्स इलेवन पंजाब में शामिल हुए थे। उनकी टीम तब फाइनल में पहुंची थी पर वहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से हार गयी गई। मैक्सवेल ने इस आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 552 रन बनाए थे। पंजाब के साथ अपने अपने सफर को याद करते हुए मैक्सवेल ने कहा कि

हम उस समय अंतिम ओवर में हार गए थे। इस किकेटर ने कहा कि आपका सफर कितना भी अच्छा क्यों न हो पर ट्रॉफी के बिना सब बेकार है। साल 2014 के बाद पंजाब का प्रदर्शन गिर गया और वह अंक तालिका में आखिरी स्थानों पर रही। मैक्सवेल ने इसको लेकर कहा कि तब टीम के लिए कठिन समय था और एक युवा खिलाड़ी के रूप में उनके लिए इसे स्वीकार करना मुश्किल रहा था। 2017 में मैक्सवेल की एक बार फिर पंजाब टीम में वापसी हुई। तब सहवाग टीम मेंटर बन गये थे। वहीं मैक्सवेल को कप्तानी मिली। मैक्सवेल ने कहा कि टीम बनते ही स्पष्ट हो गया था कि इसपर सहवाग का प्रभाव है। उन्होंने कोच जे अरुणकुमार के साथ मिलकर फैसले लेने की जिम्मेदारी ली, जिससे खिलाड़ियों और कोचों के बीच भ्रम पैदा हो गया। जिसका प्रभाव टीम पर पड़ा।

# सैंडर स्कॉटहेम ने जीता अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले पुरस्कार

एजेंसी

**नई दिल्ली।** नॉर्वे के डेकाथलीट सैंडर स्कॉटहेम ने विश्व एथलेटिक्स पुरस्कार 2024 में अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले का पुरस्कार जीता।

प्रशंसकों से प्राप्त नामांकन के बाद, अंतरराष्ट्रीय फेयर प्ले समिति (सीआईएफपी) और विश्व एथलेटिक्स के सदस्यों ने 2024 में एथलेटिक्स में पांच फेयर प्ले क्षणों की एक सूची पर निर्णय लेने के लिए एक निर्णायक मंडल का गठन किया, जिसके बाद स्कॉटहेम को विजेता घोषित किया गया। स्कॉटहेम के लिए निष्पक्ष खेल का क्षण पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में आया, जहाँ पोल वॉल्ट पदक की दौड़ से बाहर होने के बावजूद विश्व इनडोर और यूरोपीय रजत पदक विजेता स्कॉटहेम ने प्रतिस्पर्धा जारी रखने का फैसला किया। इस प्रक्रिया में स्कॉटहेम ने अपने हमवतन मार्कस रूथ का समर्थन किया, और अंतिम अनुशासन - 1500 मीटर में अपने साथी की मदद की।

रूथ ने 8796 अंकों के राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्कोर के साथ नॉर्वे के लिए स्वर्ण पदक जीता, और 48 अंकों से ओलंपिक खिताब जीता। विश्व एथलेटिक्स के हवाले से स्कॉटहेम ने कहा, ह्मैं यह पुरस्कार पाकर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। ओलंपिक मेरे लिए बहुत ही रोचक अनुभव था, क्योंकि मैंने बहुत अच्छी प्रतियोगिता की थी और फिर मैं पोल ??वॉल्ट में नो-हाइट हो गया और इसने मेरे पदक जीतने की संभावनाओं को बर्बाद कर दिया। उसी समय, मार्कस ने बहुत अच्छी पोल वॉल्ट प्रतियोगिता की जिसने उन्हें जीतने के लिए एक उत्कृष्ट

स्थिति में ला दिया। स्कॉटहेम के इस वर्ष में 8635 का डेकाथलॉन और उनके 6407 के हेप्टाथलॉन राष्ट्रीय रिकॉर्ड ने विश्व इनडोर पदक दिलाया।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने कहाः ह्मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि हमारा खेल एथलीटों के बीच निष्पक्ष खेल, ईमानदारी और सौहार्द के क्षणों के मामले में एक उदाहरण बना हुआ है। हम इसे सभी अलग-अलग एथलेटिक्स विषयों में देख रहे हैं - ट्रैक, फील्ड और रोड पर। जिस तरह से सैंडर ने वापसी की, वह एक महान एथलीट की पहचान है। चरित्र की असली परीक्षा मुश्किल समय में होती है, यह तब नहीं होता जब सब कुछ ठीक चल रहा हो, इसलिए मैं सैंडर को उनकी खेल भावना और लचीलेपन के लिए बधाई देता हूँ - वे इस पुरस्कार के योग्य हैं। सीआईएफपी के अध्यक्ष जेनो कामुती ने कहा, ह्खेल जगत के सबसे महत्वपूर्ण मंच, ओलंपिक खेलों में एक एथलीट से इस तरह के निःस्वार्थ कार्य को देखना अद्भुत है। विश्व एथलेटिक्स के साथ हमारा संबंध अब 20 वर्षों से अधिक पुराना है, और अध्यक्ष कोए और उनकी टीम के साथ सहयोग करना एक खुशी की बात है। मुझे यह जानकर विशेष प्रसन्नता हो रही है कि हमने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से आगे सहयोग का विस्तार किया है और अब हम पूरे वर्ष एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के प्रस्तावों का संयुक्त रूप से मूल्यांकन करते हैं। सैंडर स्कोथेम को बधाई। सीआईएफपी की स्थापना 60 साल पहले खेल में निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए की गई थी।

क्रोएशिया में साइप्रस की एंजलीना और ईलिया आईएसयू गोल्डन स्पिन ऑफ जगरेब में आईस डांस करते हुए।

# हर हर महादेव बोलने के दौरान हाथ ऊपर क्यों उठाते हैं?

भगवान शिव जिन्हें सनातन संस्कृति में देवों के देव महादेव कहा जाता है। इन्हें भोलेनाथ, शंकर, महेश, रुद्र, गंगाधर जैसे अनंत नामों से जाना जाता है। वहीं साधना करने वाले भगवान शिव को भैरव बाबा भी कहा जाता है। भगवान शिव जितने सौम्य हैं, वह उतने ही रौद्र भी माने जाते हैं। भगवान शिव को त्रिदेवों में संहार का देवता कहा जाता है। भगवान शिव को सुर और असुर दोनों के सबसे प्रिय हैं। कई राक्षसों ने अपने तप से भगवान शिव को प्रसन्न मनचाहा वरदान भी पाया है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि भगवान शिव की पूजा करने के दौरान दोनों हाथ ऊपर क्यों उठाए जाते हैं। आखिर इसका महत्व क्या है।

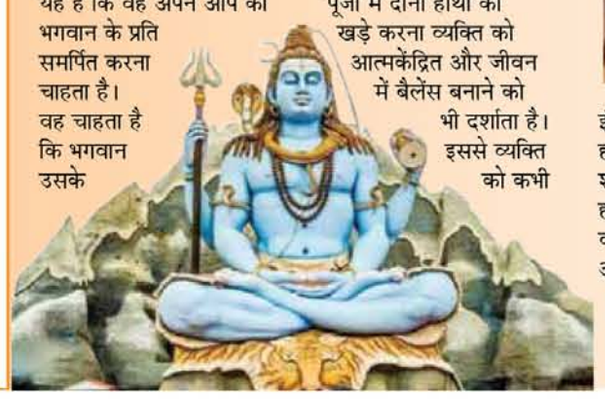

**स्वयं को समर्पित करना**

अक्सर आपने देखा होगा कि भगवान शिव (भगवान शिव मंत्र) की पूजा करने के दौरान व्यक्ति अपने दोनों हाथ खड़े कर लेता है। इसका मतलब यह है कि वह अपने आप को भगवान के प्रति समर्पित करना चाहता है। वह चाहता है कि भगवान उसके सारे दुख, कष्ट हर लें और उसे मोक्ष का वरदान दें। यह भाव भक्त के अंतरात्मा में स्वयं आता है।

**सभी संकटों से मिलती है मुक्ति**

पूजा में दोनों हाथों को खड़े करना व्यक्ति को आत्मकेंद्रित और जीवन में बैलेंस बनाने को भी दर्शाता है। इससे व्यक्ति को कभी किसी भी तरह की परेशानी नहीं आती है और उसका मन भी शांत रहता है। इससे हमारे इंद्रियां हमारे वश में होती हैं। हर हर महादेव बोलना चैतन्य शक्ति को करता है। जागृत हर का आशय नाश करने वाला है। हर शब्द का अन्य अर्थ दूर करने वाला भी है। इसका आशय यह है कि हे प्रभु! मुझे सभी दोषों से हर लें और नया जीवन दें। इसका आशय यह भी है कि मुझे अपनी शरण में ले लें। अब दोनों हाथों को उठाकर 'हर हर महादेव' का मतलब यह कि सबकुछ छोड़कर भगवान की शरण में जाना भी सबसे श्रेष्ठ है।

**आत्मा को मिलती है शांति**

भगवान की पूजा करने के दौरान दोनों हाथों को ऊपर उठाना, यह भक्ति भाव को दर्शाता है। इससे व्यक्ति की सभी परेशानियां और सभी नकारात्मकता (नकारात्मकता ऊर्जा दूर करने के उपाय) दूर हो जाती है और आत्मा को शांति भी मिलती है। भक्त भगवान की भक्ति में पूरी तरह से लीन रहती है और उसे मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति भी होती है।

## विंटर में अस्थमा का ऐसे रखें ख्याल..

सर्दी के मौसम में अस्थमा की बीमारी बढ़ जाती है। जिसकी वजह से कई सारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि अधिक ठंड और सर्द हवाओं के कारण सांस फूलने की समस्या काफी ज्यादा बढ़ जाती है। अगर आप भी अस्थमा के मरीज है और इस तरह की समस्या से जूझ रहे हैं तो आपको कुछ खास टिप्स को ध्यान में रखना होगा। सर्दियों के समय अधिक भीड़भाड़ वाले और प्रदूषण वाले स्थानों पर न जाएं। घर से निकलते समय मास्क लगाकर ही चलें। समय पर खाना खाएं। धूम्रपान वाली जगह पर बिल्कुल खड़े न हो। ताजा खाना खाएं। बाहर के खान से परहेज करें। सर्दियों के समय बाहर जाते समय गर्म कपड़े पहनें। स्वच्छ पानी पिएं। पालक, चुकंदर, मसूर की दाल का सेवन करें।

**सर्दियों में अस्थमा के मरीज करें ये काम**

रात में अस्थमा के रोगियों को दूध नहीं पीना चाहिए। अगर वे शरीर में कैल्शियम की पूर्ति के लिए दूध पीना चाहते हैं, तो दूध में काली मिर्च और हल्दी डालकर पिएं। इसके अलावा दूध में जायफल डालकर पीना भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

सुबह खाली पेट लहसुन खाना अस्थमा रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकता है। लेकिन ध्यान रहे कि लहसुन की कलियों को छिलकर 30 सेकंड तक धूप में रखें। ताकि लहसुन ऑक्सीडाइट हो जाए। इस लहसुन को 1 चम्मच शहद के साथ खाएं। ऐसा करने से आपके फेफड़े का वायुमार्ग साफ होगा। बदलते मौसम के साथ भी कुछ लोगों की तकलीफ ज्यादा बढ़ जाती है। ऐसे लोगों को मौसम बदलते में (जैसे- सितंबर-अक्टूबर, फरवरी मार्च, जुलाई) अपना खास ख्याल रखना चाहिए। अगर ज्यादा सर्दी बढ़ रही है, तो घर में रहने की कोशिश करें। घर के अंदर ही एक्सरसाइज करें।

## काली गाजर सेहत के लिए लाभकारी

सर्दियों के दस्तक देते ही बाजार में लाल-लाल रंग की गाजर भी नजर आने लगती है। इस मौसम में सलाद की प्लेट से लेकर खाने के बाद परोसे जाने वाले डेजर्ट तक में गाजर को जगह दी जाती है। गाजर सिर्फ स्वाद की वजह से ही नहीं बल्कि सेहत के लिए उसके फायदों की वजह से भी लोगों के बीच काफी पसंद किया जाता है। आमतौर पर बाजार में लाल और नारंगी रंग की गाजर ही ज्यादा देखने को मिलती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं लाल और नारंगी रंग की गाजर की तुलना में काली गाजर सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होती है। जी हां,काली गाजर में फाइबर, पोटैशियम, विटामिन-ए, विटामिन-सी, मैंगनीज, विटामिन-बी जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। जो अल्जाइमर से लेकर मोटापा, पाचन और डायबिटीज जैसी समस्याओं में राहत दे सकते हैं। आइए जानते हैं काली गाजर खाने से सेहत को मिलते हैं क्या गजब के फायदे।

**डायबिटीज रखें कंट्रोल**

काली गाजर खाने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है। दरअसल, काली गाजर में एंटी डायबिटिक फेनोलिक कंपाउंड मौजूद होते हैं, जिनमें ब्लड शुगर कंट्रोल करने की शक्ति मौजूद होती है। काली गाजर का नियमित सेवन डायबिटीज को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है।

**वेट लॉस**

काली गाजर का नियमित सेवन वजन कंट्रोल करने में मदद कर सकता है। काली गाजर में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-ओबेसिटी गुण मौजूद होते हैं, जो वजन बढ़ने से रोकने के साथ फैट्स को कंट्रोल करके मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करते हैं। इसके अलावा काली गाजर में मौजूद फाइबर की मात्रा भी बॉडी में फैट को बढ़ने से रोकती है। जिससे भी वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

**इम्यूनिटी में सुधार**

काली गाजर का सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद शक्तिशाली गुण क्टीरिया और वायरल दोनों संक्रमणों पर हमला करके व्यक्ति को सर्दी और फ्लू के खतरे से बचाते हैं। विटामिन सी से भरपूर होने के कारण यह श्वेत रक्त कोशिकाओं की गतिविधियों को बढ़ावा देने में मदद करता है जो हमारे शरीर को हानिकारक बीमारियों से बचाती हैं।

**अल्जाइमर में फायदेमंद**

काली गाजर में फाइबर, पोटैशियम, विटामिन-ए, विटामिन-सी, मैंगनीज, विटामिन-बी जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसका नियमित सेवन अल्जाइमर (भूलने की बीमारी) जैसे रोगों को भी दूर रखने में मदद करता है।

**दिल की सेहत के लिए फायदेमंद**

काली गाजर दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। दिल के रोगियों को ठंड के मौसम में काली गाजर का सेवन जरूर करने की सलाह दी जाती है। इसमें मौजूद एंथोसायनिन दिल को मजबूत बनाए रखने में बहुत ही मददगार होता है।

# चलने के तरीके से खुल सकता है आपके व्यक्तित्व का राज

**किसी व्यक्ति के चलने का तरीका वास्तव में उसके व्यक्तित्व और आचरण के बारे में बारे में बहुत कुछ बयां कर सकता है। आपका तेजी से दौड़ना, धीरे चलना या फिर चलते हुए अचानक से रुक जाना इस बात पर निर्भर करता है कि आप स्वभाव से कैसे हैं और आपके भीतर कौन से गुण और अवगुण मौजूद हैं। क्या आप जानते हैं कि चलने की विभिन्न शैलियां किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व के बारे में क्या बता सकती हैं। अगर नहीं तो हम आपको इस लेख में इसके बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं। दरअसल यह कहा जा सकता है कि आपके शरीर का हर एक हिस्सा आपके व्यक्तित्व के बारे में कुछ न कुछ बताता है और आपके जीवन में क्या परिवर्तन हो सकते हैं इसकी जानकारी भी देता है। अगर आप भी इसके बारे में विस्तार से जानना चाहते हैं कि कैसे आपका चलने का तरीका आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बता सकता है तो यहां इसके बारे में ज्योतिषाचार्य डॉ आरती दहिया से विस्तार से जानें इसके बारे में।**

**हमेशा तेज चलने वालों की पर्सनैलिटी:**

अगर आप उन लोगों में से हैं जो हमेशा तेजी से चलते हैं तो आप बहुत अधिक मिलनसार, व्यवस्थित और अपने निर्णय को सबसे ऊपर रखने वालों में से एक हैं। आपके भीतर कर्तव्यनिष्ठ होने की खूबी है और नए अनुभवों के प्रति ग्रहणशील होने की अधिक संभावना हो सकती है। ज्योतिष की मानें तो हमेशा तेज गति से चलने वाले लोग जोखिम लेने वाले और आगे बढ़ने वाले होते हैं। वे स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए सामान्य से अधिक इच्छुक रहते हैं। ये लोग परेशानी मुक्त जीवन जीने के प्रति दृढ़ होते हैं। इस तरह चलने की शैली ऊर्जा के त्वरित उछाल और विस्तार पर अत्यधिक ध्यान देने से जुड़ी होती है जो उन्हें दूसरों से थोड़ा अलग बनाती है।

**हमेशा धीमी गति से चलने वालों की पर्सनैलिटी:**

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यदि आपकी अक्सर धीमी गति से चलते हैं तो आप एक समझदार व्यक्ति हैं और आप हमेशा फूंक-फूंक कर कदम रखते हैं। आप किसी भी परेशानी के प्रति ज्यादा सतर्क हैं और समस्याओं से घबराने के बजाय उसका हल ढूंढने पर भरोसा करते हैं।

आप आमतौर पर अपने धीमे और छोटे कदमों से इस बात की तरफ इशारा करते हैं कि आप अंतर्मुखी हैं। धीमी गति से चलने वाले लोगों का स्वभाव अधिक आत्म-केंद्रित और स्वयं के प्रति चिंतित होता है। ऐसा देखा गया है कि धीमी गति से चलने वाले लोग खुद पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करते हैं। इस तरह की चाल वाले लोग हमेशा अकेले में खुश रहने वाले होते हैं और वो बहुत ज्यादा सुर्ख़ियों में बने रहना पसंद नहीं करते हैं।

**आराम से टहलने की गति में चलने वाले लोग:**

अगर आप उनमें से हैं जो अक्सर टहलने वाली गति से चलना पसंद करते हैं तो आप अपनी शर्तों पर और अपनी गति से जीवन का अनुभव करना पसंद करते हैं। आप जिस स्थान पर होते हैं वहीं ढल जाते हैं और कहीं बाहर निकलने की जल्दबाजी नहीं करते हैं। चाहे आप घर के अंदर हों या बाहर हमेशा सहज, खुश और आत्मविश्वासी रहना पसंद करते हैं। भीड़ के बीच भी आप अपनी अलग पहचान बनाते हैं और संयम बनाए रखने पर जोर देते हैं। आपको दूसरों के साथ बातचीत करने और उनके दृष्टिकोण सुनने में आनंद आता है।

**चलते समय तेजी से कदम रखने वाले:**

अगर आप उनमें से हैं जो हमेशा तेजी से आगे कदम रखते हैं तो आप महत्वाकांक्षी हैं और हमेशा गतिशील रहते हैं। आप काम पूरा करना पसंद करते हैं और समय बर्बाद करना पसंद नहीं करते हैं। आपके लिए समय बहुत महत्वपूर्ण है और आप समय के साथ चीजों को हासिल करने में विश्वास रखते हैं। आपका यह स्वभाव हर जगह सफलता दिलाने में मदद करता है। आपका यह स्वभाव आपको हमेशा आगे रखने में मदद करता है।

**हमेशा अकड़कर चलना**

अगर आप उनमें से हैं जो हमेशा सीना चौड़ा करके अकड़ में चलते हैं तो आप आत्मविश्वासी हैं। आप जानते हैं कि आप क्या चाहते हैं और उसके पीछे जाने से डरते नहीं हैं। आप अपना लक्ष्य पाने में हमेशा कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। आप कभी-कभी अहंकारी भी हो सकते हैं और अपने प्रति आश्वस्त रहते हैं। आप दूसरों के बीच ध्यान का केंद्र बने रहना पसंद करते हैं और आमतौर पर आपको वही मिलता है जो आप चाहते हैं।

# जीवनसाथी का सही चयन

माता-पिता अपने बेटे या बेटी के लिए एक अच्छा जीवन साथी की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। उसी समय, लड़के और लड़कियाँ भी चाहते हैं कि अगर वे विवाहित हो रहे हैं, तो उनकी पसंद और नापसंद अवश्य ध्यान में रखी जाए। जीवनसाथी का चयन करते समय कोई भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। अन्यथा भविष्य में रिश्ता टूट सकता है।

यदि आपके परिवारवाले आपके रिश्ते का निर्णय कर रहे हैं और आपके लिए एक लड़के या लड़की की तलाश कर रहे हैं, तो अपनी पसंद और राय जरूर बताएं। यदि आपको वो रिश्ता पसंद नहीं आया तो आप सीधे इनकार कर सकते हैं। किसी भी रिश्ते पर खामोशी से सहमति न दें, क्योंकि आपको ही उस व्यक्ति के साथ अपना जीवन बिताना होगा और न कि आपके परिवार को। इस प्रकार, यदि आप एक बेहतर जीवन साथी की तलाश में हैं, तो आपको उसमें कुछ गुणों पर ध्यान देना चाहिए, ताकि आपका रिश्ता टूटे नहीं और विवाहित जीवन प्रेम और शांति के साथ आगे बढ़ता रहे।

विवाह एक जीवन भर का रिश्ता है। इसमें दो परिवारों के बीच रिश्ता बनता है। इस रिश्ते में 'मेरा' और 'तुम्हारा' का कोई स्थान नहीं होता, बल्कि 'हमारा' और 'हम' को महत्व दिया जाता है। इस प्रकार, खुश और स्वस्थ विवाहित जीवन जीने के लिए, भविष्य के साथी में कुछ विशेष गुण होना बहुत महत्वपूर्ण है। तो यदि आपका विवाह भी तय होने वाला है, और आप अपने लिए एक उपयुक्त दुल्हा या दुल्हन की तलाश में हैं, तो जल्दबाजी में न रहें। पूरे परिवार के साथ बैठें और विवाह पर चर्चा करें। यदि आप अपनी इच्छा के अनुसार एक जीवनसाथी नहीं पा रहे हैं, तो आपको निश्चित रूप से कुछ और महीने खोजना चाहिए और फिर विवाह के मामले को आगे बढ़ाना चाहिए।

# शिशु की मालिश

दादी-नानी को आप ने कहते सुना होगा कि मालिश से शरीर मजबूत बनता है और बच्चे का विकास अच्छी तरह से होता है। ऐसे में लोग शिशु का मालिश करना शुरू कर देते हैं,लेकिन आपको मौसम के हिसाब से बच्चे की मालिश करने के लिए तेल चुनना चाहिए। आइए जानते हैं की ठंड में कौन सा तेल शिशु के लिए फायदेमंद होगा। सर्दियों के मौसम में बच्चों का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी हो जाता है। ठंड की वजह से बच्चों का शरीर कमजोर हो सकता है और वे आसानी से बीमार भी पड़ सकते हैं। ऐसे में माता-पिता को ऐसा तेल चुनना चाहिए जिसमें विटामिन E और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे गुण हों, जो बच्चों के शरीर को अंदर से गर्म रख सकें। इन तेलों से रोजाना मालिश से बच्चों की त्वचा भी मुलायम और स्वस्थ बनी रहे।आइए जानते हैं सर्दियों में बच्चों का मालिश किन तेलों से करें।

**सरसों का तेल**

सर्दियों के मौसम में सरसों का तेल बहुत फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन E, विटामिन A और ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो हमारे शरीर को अंदर से गर्म रखने में मदद करका है। सर्दियों में सरसों के तेल से नियमित रूप से मालिश करने से हमारी त्वचा गर्म, मुलायम और नरम बनी रहती है। यह हमारे शरीर को हाइड्रेट भी रखता है जिससे सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं। इसके अलावा, यह जोड़ों के दर्द से भी राहत दिलाता है।इसलिए, सर्दियों में सरसों का तेल शरीर बच्चों के मालिश के लिए एक अच्छा ऑप्शन है।

**जैतून का तेल**

जैतून का तेल बच्चों के मालिश के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। जैतून के तेल मे बहुत सारे एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो हमारी त्वचा के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। साथ ही इसमें विटामिन ई और विटामिन A की भरपूर मात्रा होती है जो हमारे शरीर को गर्म रखने में मदद करते हैं। सर्दियों में जैतून का तेल स्किन और हेयर दोनों के लिए बहुत फायदेमंद है। इस तेल से नियमित मालिश करने से त्वचा मुलायम,चमकदार और हाइड्रेटेड रहती है।

**बादाम का तेल**

बादाम का तेल बच्चों की मालिश के लिए सर्दियों में बेहद फायदेमंद साबित होता है। बादाम के तेल में विटामिन E और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे गुण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये गुण बच्चों की त्वचा को नरम और मुलायम बनाए रखने में मदद करते हैं। साथ ही, बादाम के तेल से मालिश करने से बच्चों का शरीर अंदर से गर्म रहता है।

# हेयर देखभाल और स्टाइलिंग टिप्स

लंबे, काले और घने बालों का क्रेज तो सभी महिलाओं को होता है, मगर आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में इतना वक्त किसके पास है कि बालों की ठीक से देखभाल कर सके। ऐसे में बहुत ही कम महिलाएं आपको मिलेंगी जिनके बाल आपको कमर तक देखने को मिलेंगे आपने हेयर एक्सटेंशन के बारे में तो सुना ही होगा। आपको बाजार में इसकी बहुत अच्छी वैरायटी मिल जाएगी। मगर इतने सारे विकल्पों में बेस्ट होगा कि आप असली बालों से बने हेयर एक्सटेंश का इस्तेमाल करें। मगर असली बालों से बने हेयर एक्सटेंश की देखभाल भी आपको करनी होगी ताकि आप उसे बार-बार और लंबे वक्त के लिए इस्तेमाल कर सके। इतना ही नहीं आपको उसे स्टाइल करने का सही तरीका भी पता होना चाहिए।

**नरमी के साथ ब्रश करें**

हेयर एक्सटेंशन को हमेशा ब्रिसल वाले ब्रश से ही ब्रश करें। यदि हेयर एक्सटेंशन के बाल उलझ गए हैं तो आपको उन्हें आहिस्ता-आहिस्ता ही सुलझाना है। आपको हेयर एक्सटेंश को ब्रश करने में इसलिए भी सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि यदि आप तेजी से उन्हें ब्रश करेंगी तो वह ढीले पड़ जाएंगे। वैसे आपको यही सलाह दी जाती है कि आप जब भी बिस्तर से सो कर उठें और आपने हेयर एक्सटेंशन का प्रयोग किया हुआ है, तो आपको उन्हें ब्रश करना चाहिए।

**अपने हेयर एक्सटेंशन को सल्फेट-मुक्त हेयर उत्पादों से ही धोएं**

अपने नेचुरल हेयर एक्सटेंशन को यदि आप फ्रेश और हेल्दी बनाए रखना चाहती हैं तो आपको उन्हें अपने बालों की ही तरह अच्छे हेयर प्रोडक्ट्स से साफ करना चाहिए। इसके लिए आपको सल्फेट फ्री हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहिए। यदि आप केमिकल बेस्ड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल हेयर एक्सटेंशन पर करेंगी तो वह रफ हो सकते हैं और उनमें जो कलर कॉम्पोजीशन है वो भी खराब हो सकता है।

**ज्यादा धोने से बचें**

हेयर एक्सटेंशन को ज्यादा वॉश करने से आपको बचना चाहिए। इससे वह ड्राई हो सकते हैं और उनकी क्वालिटी भी खराब हो सकती है। आपको बता दें कि हमारे असली बाल जो स्कैल्प से उगे हुए होते हैं, उन्हें हमारे शरीर से नरिशमेंट भी मिल रहा होता है। यदि वह खराब होते हैं, तो उन्हें रिपेयर करने के नेचुरल तरीके भी हैं मगर हेयर एक्सटेंशन यदि एक बार खराब हो जाएगा, तो उसे रिपेयर करना मुश्किल होता है। इसलिए आपको अपने हेयर स्टाइलिस्ट के निर्देशानुसार सप्ताह में बार ही वॉश करना चाहिए।

**सही तरीके से कंडीशनिंग करें**

असली बालों की ही तरह आपको अपने हेयर एक्सटेंशन को भी शैंपू से वॉश करने के बाद कंडिशन करना चाहिए। मगर आपको हेयर एक्सटेंशन को कंडिशन करने के साथ ही अपने अस्ती बालों पर ध्यान देना चाहिए कि कहीं वो तो डैमेज नहीं हो रहे हैं। आपको सलाह दी जाती है कि आप लो पीएच वाले कंडीशनर का ही इस्तेमाल करें और इसे आधे बालों से लगाना शुरू करें और बालों की पूरी लेंथ पर लगाएं। अपने बालों की रूट पर इसे लगाने से बचें और जहां से आपको लग रहा है कि बाल अधिक ड्राई और डैमेज नजर आ रहे हैं, वहां पर अधिक कंडीशनर का इस्तेमाल करें।

**तेल लगाना न छोड़ें**

बालों की अच्छी सेहत के लिए उनमें ऑयलिंग करना जरूरी है। यदि आपके बालों में हेयर एक्सटेंशन लगा है तो आपको बालों की रूट पर पर तेल लगाने के स्थान पर उसके मध्य भाग से ही तेल लगाना चाहिए। मगर आप अपने असली बालों की रूट्स से ऑयलिंग कर सकती हैं।

# दिलजीत के कॉन्सर्ट में एंजॉय करती दिखीं दीपिका

दीपिका पादुकोण हाल ही में बेटी की मां बनी है। फिलहाल एक्ट्रेस अपनी नन्ही प्रिंसेस संग मदरहुड एंजॉय कर रही हैं लो प्रोफाइल बनी हुई हैं। हालांकि, एक्ट्रेस खुद को दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में जाने से रोक नहीं पाईं। दरअसल बैंगलोर में दिलजीत दोसांझ के दिल-ल्यूमिनाटी कॉन्सर्ट में दीपिका पादुकोण की मौजूदगी ने फैंस को हैरान और खुश कर दिया। यह कार्यक्रम तब और भी यादगार बन गया जब दिलजीत ने दीपिका को स्टेज पर बुलाया, जिससे भीड़ जोर-जोर से तालियां बजाने लगी।

फैंस द्वारा शेयप की गई एक वीडियो में, दीपिका क्लासिक ब्लू जींस के साथ एक ओवर साइज व्हाइट टी-शर्ट कॉम्फी लेकिन स्टाइलिश लुक में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस ने मिनिमल मेकअप में भी बेहद खूबसूरत लग रही थीं। वहीं दिलजीत के कॉन्सर्ट के दौरान फैंस के बीच बैठी दीपिका को दिलजीत के हाई-एनर्जी परफॉर्मेंस हस हस के दौरान एंजॉय करते औरताली बजाते हुए और यहां तक कि भांगड़ा करते हुए भी देखा गया। 8 सितंबर, 2024 को दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपनी बेटी दुआ पादुकोण सिंह का वेलकम किया था। तब से एक्ट्रेस पब्लिकली स्पॉट नहीं हुई थी। दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में दीपिका बेटी के जन्म के बाद पहली बार पब्लिकली देखी गई हैं। वहीं फैंस ने सोशल मीडिया पर अभिनेत्री पर खूब प्यार बरसाया है.दीपिका और रणवीर ने दिवाली पर अपनी बेटी की पहली झलक शेयर की थी, जिसमें कपल की लाडली के नन्हे पैरों की तस्वीर थी। साथ ही जोड़ी ने प्यारी इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए खुलासा किया था कि उन्होंने अपनी बेटी का नाम दुआ रखा है। वहीं वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका के लिए 2024 शानदार प्रोजेक्ट्स से भरा रहा है। साल की शुरुआत फाइटर से हुई, जहां उन्होंने ऋतिक रोशन और अनिल कपूर के साथ स्क्रीन शेयर की थी। उन्होंने तेलुगु एपिक कल्कि 2898 एडी में भी अभिनय किया, इसके बाद सिंघम अगेन में उन्होंने रोहित शेट्टी की एक्शन से भरपूर कलाकारों की टुकड़ी में डीसीपी शक्ति शेट्टी की भूमिका निभाई। एक्ट्रेस जल्द ही कल्कि 2898 एडी पार्ट 2 की शूटिंग शुरू करेंगी।

# प्रेम का सन्देश पहुंचाने सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार "महायोगी"

ईश्वर ने बड़े प्रेम से मानव जाति को बनाया है और इंसानों में वह अपने ही प्रेम की छवि तलाश करते हैं। लेकिन क्या इंसानों को धर्म, राजनीति के नाम पर इस बुरी तरह आपस में लड़ते-भिड़ते देखकर, ईश्वर खुश होता होगा? कदापि नहीं दोस्तों, परमेश्वर की पलकों में आज आंसू है। जिस दुनिया में लाखों लोग आज भी बेघर हैं, करोड़ों बच्चे सड़कों पर भूखे सोते हैं, उसी दुनिया में हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई सभी धर्म एक दुसरे को अपना दुश्मन समझ रहे हैं। ऐसे में महायोगी हम सब से कहने आये हैं, कि अब ऐसा नहीं होगा। अब मानवता के जागने की बारी आ गई है। कलयुग अपने अंतिम चरण पर है और धरती माता, प्रकृति, पूरा ब्रह्माण्ड और स्वयं ईश्वर, अब दुष्टों का दमन करने को तैयार है। उन्होंने

महायोगी के माध्यम से हम सब को आह्वान किया है कि हम धार्मिक, सामाजिक और आंतरिक भेदभाव भूल कर आपसी प्रेम, शांति और वैश्विक एकता के रास्ते पर चल पड़ें। तभी कलयुग का अंत और सतयुग का आरम्भ होगा। निर्माता निर्देशक राजन लूथरा अपनी फिल्म "महायोगी हाईवे १ टू वननेस" के माध्यम से ईश्वर की यही बातें लोगों तक पहुंचा रहे हैं कि उनके प्रेम और आपसी सद्भाव में ही ईश्वर बसते हैं, और कहीं नहीं। 13 दिसम्बर २०२४ को आपके नजदीकी सिनेमाघरों में आ रहे हैं परमेश्वर के सन्देश को आप तक पहुंचाने वाले महायोगी। प्रिंस मूवीज़ के राकेश सभरवाल फ़िल्म को ऑल इंडिया रिलीज़ कर रहे हैं। इस हॉलीवुड पिक्चर के मास्टरमाइंड राजन लूथरा हैं जिन्होंने इसे लिखा, निर्देशित किया है। फ़िल्म की शूटिंग सैनफ्रांसिस्को, लॉस एंजेल्स, हरिद्वार और केदारनाथ की खूबसूरत लोकेशन पर की गई है। यह हॉलीवुड फिल्म त्रिलोक फ़िल्म आईएनसी यूएसए के प्रोडक्शन हाउस द्वारा बनाई गई है, जिसमें अच्छा सन्देश और प्रेरणा भी है।

# 'पुष्पा 2' की डबिंग करते हुए नर्वस थे श्रेयस तलपड़े

फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' रिलीज के बाद ताबड़तोड़ कमाई कर रही है. अल्लू अर्जुन की दमदार परफॉरमेंस ने इस पिक्चर को फैंस के लिए और भी खास बना दिया है. अगर आप भी उन लोगों में से एक हैं, जिन्होंने 'पुष्पा 2' का हिंदी वर्जन देखा है तो आपको श्रेयस तलपड़े की आवाज में पुष्पा राज ने इंप्रेस किया होगा. श्रेयस ने फिल्म 'पुष्पा' में भी अल्लू अर्जुन के किरदार को आवाज दी थी. अब उन्होंने 'पुष्पा 2' के अपने नर्वस एक्सपीरिएंस पर बात की है. इंडिया टुडे/आजतक संग बातचीत में श्रेयस ने बताया कि फिल्म से लगी लोगों की उम्मीदों के चलते वो परेशान थे. लेकिन अब वो खुश हैं और ऑडियंस की तारीफों का आनंद ले रहे हैं. फिल्म 'पुष्पा 2' को देखते हुए बहुत से दर्शकों ने पुष्पा राज के रूप में श्रेयस तलपड़े की कल्पना की. इस बारे में जब एक्टर को बताया गया तो उन्होंने नम्रता के साथ कहा, 'ये सब डायरेक्टर और अल्लू अर्जुन की बदौलत हो रहा है.

# फैंस कर रहे नोरा की तारीफ

ग्लोबल सनसनी नोरा फतेही ने अपने सोशल मीडिया पर एक नई रील साझा की है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय कलाकार सीके के साथ उनका सहयोग प्रदर्शित किया गया है। वीडियो में उनके गाने 'इट्स टू' के निर्माण का झलक दिखाया गया है, जो पहले ही स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर जारी कर दिया गया है। इस रील में, नोरा को हिंदी में अपनी आवाज रिकॉर्ड करते हुए, ट्रैक पर वाइब करते हुए और सीके के साथ स्टूडियो में मैजिक बनाते हुए देखा जा सकता है। गाना 'इट्स टू' सीके के एल्बम इमोशन्स का हिस्सा है और रिलीज होने के बाद से यह प्रशंसकों का पसंदीदा बन गया है। फैन्स नोरा की आवाज की जमकर तारीफ कर रहे हैं, जिसने गीत में एक अनोखा आकर्षण डाला। खासकर उनकी हिंदी-भाषा में गाई गई आवाज ने दर्शकों के साथ गहरी छाप छोड़ी।

सोशल मीडिया पर रील साझा करते हुए, नोरा ने इसे कैप्शन कियाः "इट्स टू माई बॉय सीके के साथ स्टूडियो में कुछ जादू बनाने पहुंचे! यह सहयोग एकदम फायर है.. हमारी सॉन्ग इट्स टू' को सभी प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम कर रहें हैं" आगे, वह रैपर करण औजला के साथ 'आये हाए' नाम की एक संगीत वीडियो के लिए सहयोग करने के लिए तैयार हैं। इंस्टाग्राम पर 46 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ नोरा फतेही ने अपना वैश्विक स्टारडम मजबूती से स्थापित किया है। वह वर्तमान में प्रतिष्ठित रैपर यो यो हनी सिंह के साथ उनके एल्बम ग्लोरी के म्यूजिक वीडियो 'पायल' की वैश्विक सफलता का आनंद ले रही हैं। हाल ही में उन्होंने फिल्म मटका से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया, जिसे फैन्स ने खूब सराहा। एक और बहुप्रतीक्षित परियोजना उनका आगामी म्यूजिक वीडियो है, जिसमें वह अंतरराष्ट्रीय कलाकार जेसन डेरुलो के साथ नजर आएंगी।

## कॉन्सर्ट में नोरा फतेही को नो एंट्री,

अनूप जलोटा, शंकर महादेवन और हरिहरन अगले महीने एक कॉन्सर्ट में परफॉर्म करने वाले हैं, ये कॉन्सर्ट कई शहरों में होने वाला है. हाल ही में इसको लेकर खबर आ रही है कि कॉन्सर्ट में नोरा फतेही और तमन्ना भाटिया को भी शामिल करना था, लेकिन सिंगर ने मना कर दिया.

इस साल के आखिरी को भारतीय संगीत में रंगने के लिए त्रिवेणीः श्री मास्टर परफॉर्मेंस ऑर्गेनाइज किया जा रहा है. इस शो में भारत के तीन दिग्गज सिंगर शामिल होने वाले हैं, जिनमें अनूप जलोटा, शंकर महादेवन और हरिहरन का नाम शामिल है. ये शो अहमदाबाद, इंदौर और दिल्ली में ऑर्गेनाइज किया जाएगा. हालांकि, इस शो में बॉलीवुड की भी हस्तियों का नाम शामिल किया जा रहा था लेकिन सिंगर ने इसके खिलाफ आपत्ति जताते हुए इनकार कर दिया.

एमएच फिल्म्स इस शो को ऑर्गेनाइज कर रहा है, जिसमें तीनों सिंगर नए साल के दौरान संगीत संध्या के नाम पर साथ दिखेंगे. इसी बीच खबर आ रही है कि इस शो में नोरा फतेही और तमन्ना भाटिया के भी शामिल होने की बात हो रही थी. एक सूत्र के मुताबिक, जब ऑर्गेनाइजर मनीष हरिशंकर ने एमएच फिल्म्स से नोरा फतेही और तमन्ना भाटिया जैसे बॉलीवुड हस्तियों को गेस्ट आर्टिस्ट के तौर में शामिल करने की बात रखी, तो तीनों सिंगर अनूप जलोटा, शंकर महादेवन और हरिहरन ने इसे मना कर दिया.

इनकार करने की क्या थी वजह ?

सिंगर ने नोरा फतेही और तमन्ना भाटिया के लिए मना करने की वजह बताते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना है. तीनों ने कहा कि अगर किसी को गेस्ट के तौर पर शामिल करना है तो वो किसी एक्ट्रेस की बजाय किसी ऐसे सिंगर को ही होना चाहिए जो शो की भावनाओं से मेल खाता हो. इस बारे में जब शो के ऑर्गेनाइजर से बात हुई, तो उन्होंने बताया कि शो के लिए उन्होंने दोनों एक्ट्रेस के मैनेजर से बात की थी. वर्क फ्रंट की बात की जाए तो, हाल ही में तमन्ना भाटिया अविनाश तिवारी और जिमी शेरगिल के साथ सिकंदर का मुकद्दर में नजर आ रही हैं. ये फिल्म नीरज पांडे की बनाई एक्शन थ्रिलर है. यह फिल्म 29 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया.

# जब ऐश्वर्या राय की उमराव जान हुई थी महाफ्लॉप

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत और मोस्ट टैलेंटेड एक्ट्रेस में से एक ऐश्वर्या राय ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं. लेकिन उनकी एक फिल्म ऐसी भी आई थी जो बॉक्स ऑफिस पर महाफ्लॉप साबित हुई थी. ऐश्वर्या राय की इस सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म की

वजह से डायरेक्टर बर्बाद हो गया था. चलिए जानते हैं आखिर ये कौन सी फिल्म थी? बता दें कि 'उमराव जान' में रेखा ने अपनी शानदार अदाकारी से हर दिल लूट लिया था. इस फिल्म का निर्देशन मुजफ्फर अली ने किया था. यह फिल्म आज भी हिंदी सिनेमा की क्लासिक फिल्म मानी जाती है. खैर, ब्लॉकबस्टर हिट के बाद, 2006 में निर्देशक जेपी दत्ता ने ऐश्वर्या राय को लीड रोल में लेकर उमराव जान बनाने का फैसला किया. फिल्म में ऐश्वर्या राय के अलावा अभिषेक बच्चन, शबाना आजमी, सुनील शेट्टी, दिव्या दत्ता और कुलभूषण खरबंदा ने भी अहम रोल प्ले किया था. हालांकि फिल्म में ऐश्वर्या राय की परफॉर्मेंस और जेपी दत्ता का निर्देशन दर्शकों को प्रभावित नहीं कर पाया. और ये बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई. ये फिल्म 15 करोड़ रुपये की लागत में बनी थी. वहीं बॉक्स ऑफिस के अनुसार, यह फिल्म ऐश्वर्या राय की सबसे बड़ी फ्लॉप फिल्म बन गई थी, जिसने भारत में 7.42 करोड़ रुपये की कमाई की थी. रिपोर्ट्स की मानें तो उमराव जान की असफलता से जेपी दत्ता टूट गए थे. अपनी अगली फिल्म पलटन को निर्देशित करने में उन्हें 12 साल लग गए थे. इस फिल्म में जैकी श्रॉफ, अर्जुन रामपाल, सोनू सूद, हर्षवर्द्धन राणे, सोनल चौहान और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार थे. लेकिन, इस वॉर ड्रामा को भी दर्शकों ने नकार दिया. बाद में दत्ता ने बॉर्डर 2 बनाने का फैसला किया और अब ये फिल्म 23 जनवरी, 2026 को रिलीज़ होगी. सनी देओल, दिलजीत दोसांझ और वरुण धवन द्वारा निर्देशित, बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह द्वारा किया जाएगा।

# शादी के बाद मंदिर पहुंचे चैतन्य और शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला 4 दिसंबर को पारंपरिक तेलुगु रीति-रिवाज से शादी के बंधन में बंधे चुके हैं. शादी के एक दिन बाद दोनों शुक्रवार शाम आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में मल्लिकार्जुन मंदिर पहुंचे. वहां उन्होंने भगवान का आशीर्वाद लिया. उनके साथ नागा चैतन्य के पिता और मशहूर अभिनेता नागार्जुन भी मौजूद थे.

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है. वीडियो में न्यूली मैरिड कपल मंदिर में अंदर बैठे पूजा करते नजर आ रहे हैं. जहां उनके आस-पास काफी सारे पंडित और लोग खड़े नजर आ रहे हैं. इस दौरान, शोभिता ने ऑरेंज कलर के ब्लाउज के साथ सुंदर पीले रंग की रेशमी साड़ी पहनी थी, जबकि नागा चैतन्य सफेद शर्ट और मुंडू में दिखे. पुजारी ने उनके लिए पूजा कराई. वीडियो में कपल और नागार्जुन जमीन पर बैठकर पूजा करते नजर आ रहे हैं. हालांकि, शादी के बाद से ये कपल ट्रोल्स के निशाने पर बना हुआ है. दोनों को खूब ट्रोल किया जा रहा है.

# "हिट फ्रेंचाइजी देने का अनुभव बेहद खास है" : ताहिर राज भसीन

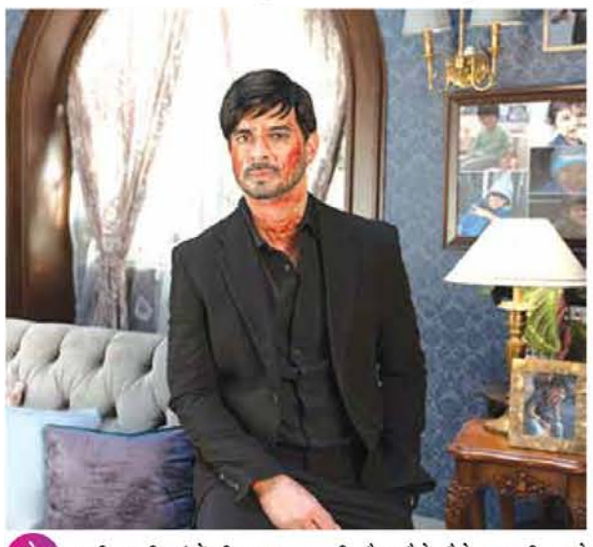

ये काली काली आंखें सीज़न 2 ने दर्शकों को क्राइम, प्यार, जुनून और हत्या के रोमांचक मिश्रण से बांधकर रखा है। ताहिर राज भसीन का दमदार अभिनय, जिसमें वह एक आम आदमी से खतरों और अपनी आंतरिक कमजोरियों के जाल में फंसते व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, शो की सफलता की मुख्य कड़ी है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, किरदार की जटिलताएं और रोमांच गहराते जाते हैं, दर्शकों को हर मोड़ पर चौंकाते हुए भावनात्मक और थ्रिलिंग सफर पर ले जाते हैं। ताहिर ने कहा, "ये काली काली आंखें की इस अद्भुत यात्रा का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत ही खास और गर्व की बात है। एक अभिनेता के रूप में, एक हिट फ्रैंचाइज़ का हिस्सा बनना वाकई अविश्वसनीय अनुभव है। पहले सीज़न ने दर्शकों को बांध लिया और उनकी सोच और दिलों पर कब्जा कर लिया। अब, दूसरे सीज़न की सफलता के साथ, यह एक बड़ी फ्रेंचाइजी बन चुकी है, जो दर्शकों को बार-बार लौटने पर मजबूर करती है।"

उन्होंने आगे कहा, "दूसरा सीज़न पहले सीजन के वहीं से शुरू होता है, जहां कहानी खत्म हुई थी। इसमें नए ट्विस्ट और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों को जोड़ा गया है। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि दर्शकों ने इस किरदार के गहराई और

# श्वेता को पसंद है म्यूज़िक और परफ्यूम

फिल्म और वेब सिरीज़ जैसे मसान, हरामखोर और मिर्ज़ापुर में दमदार अभिनय के लिए मशहूर श्वेता त्रिपाठी ने अपने किरदारों की तैयारी के लिए अपनाए जाने वाले अनूठे तरीकों का खुलासा किया है। हाल ही में, उन्होंने बताया कि कैसे उनकी गाने की लिस्ट और एक खास परफ्यूम उनके किरदार को गहराई से समझने और निभाने में मदद करते हैं। अपने क्रिएटिव प्रोसेस के बारे में बात करते हुए श्वेता ने कहा, "दो चीजें मुझे अपने किरदार की तैयारी में बहुत मदद करती हैं। पहली है मेरी गानों की लिस्ट, जिसमें तड़प और प्यार के इमोशन्स से भरे गाने होते हैं।

मुझे लव स्टोरीज़ बहुत पसंद हैं, और यह एक ऐसा जॉनर है जिसे मैं और अधिक खोजना चाहती हूं। म्यूज़िक मुझे किरदार की भावनाओं और सोच को समझने में मदद करता है, जैसे एक इमोशनल ट्रैम्पोलिन।

मैं अपनी भावनाओं को संगीत के मूड के अनुसार ट्यून करती हूं। दूसरी चीज़ है परफ्यूम।

मैं हमेशा ऐसा परफ्यूम चुनती हूं जो मेरे किरदार की आत्मा को दर्शाता हो। हर किरदार का एक अलग ऑरा होता है, और परफ्यूम उस भावना को गहराई से अपनाने में मदद करता है। यह अद्भुत है कि सही खुशबू की एक झलक आपको तुरंत किरदार की दुनिया में ले जा सकती है।" श्वेता की यह सोच और उनकी गहरी तैयारी उनके अभिनय में झलकती है।

उनकी परफॉर्मेंस में मौजूद बारीकी और सच्चाई ने उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया है। जबकि श्वेता ने अपने प्यार की कहानियों को और अधिक खोज करने की इच्छा जताई है, दर्शक अब बेसब्री से इंतेज़ार कर रहे हैं कि उनका यह इमोशनल और डिटेल-ओरिएंटेड अप्रोच उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में कैसे नज़र आता है।

अभिनेत्री ने बातचीत में साझा किया कि वह एक हीरोइन के सांचे में फिट नहीं बैठती लेकिन उन्हें मानदंडों को चुनौती देना पसंद है। अभिनेत्री ने कहा, "मेरा व्यक्तित्व विद्रोही है। मैं 5 फीट की हूं, मैं आपकी नायिका के आदर्श में फिट नहीं बैठती, मुझे उन मानदंडों को चुनौती देना पसंद है।"

अभिनेत्री जो लगभग 30 की हो चुकी हैं। उन्होंने साझा किया कि फिल्मों में उन्हें कैसा काम करना है और कैसा नहीं, यह तब स्पष्ट हुआ जब वह अपने डेब्यू शो "क्या मस्त है लाइफ" पर काम कर रही थीं। अभिनेत्री ने कहा, "मैं हर दिन बांद्रा से मलाड जाती थी और मेरे पास एक कैब ड्राइवर था, जो बहुत अच्छा लड़का था।

एक दिन, जब कार लाल बत्ती पर रुकी, तो उसने बाहर देखा और उसकी निगाहें हमेशा की तरह वहां नहीं रुकीं।

मैंने मुड़कर देखा कि क्या हो रहा है? बिकनी में तीन महिलाओं के साथ एक फिल्म का पोस्टर था।

" अभिनेत्री ने आगे कहा, "... मैंने वहीं खुद से वादा किया कि मैं कभी भी ऐसी नहीं बनना चाहती।"

# 'किसान डरने वाले नहीं साहब जेल भरो आंदोलन चल रहा है'

## किसानों के समर्थन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने दी गिरफ्तारी

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** गौतमबुद्धनगर में संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर जेल भरो आंदोलन के पांचवें दिन भी भारी संख्या में किसानों ने गिरफ्तारी दी। 10 फीसदी भूखंड समेत अन्य मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन के तहत शनिवार को दिल्ली कूच करने पहुंचे 60 से अधिक किसान और महिलाओं को परी चौक से गिरफ्तार कर लिया गया। सभी को लुकसर जेल भेज दिया है। किसान जत्थों के रूप में नारेबाजी करते हुए लुक्स जेल पहुंचे। 10 फीसदी भूखंड देने समेत मांगों को लेकर चल रहे आंदोलन में गिरफ्तार किसानों को रिहा करने समेत मांगों को लेकर जेल भरो आंदोलन चल रहा है। शनिवार को किसानों के दिल्ली कूच करने की सूचना पर परी चौक पर सवेरे से ही भारी संख्या में पुलिस, पीएसी समेत आरपीएफ के महिला जवान तैनात किए थे। करीब 12 बजे तुगलपुर गांव की ओर से नारेबाजी करते हुए 30 से अधिक किसान, महिलाएं परी चौक पर पहुंची। किसानों के परी चौक पर पहुंचते ही पुलिस ने उनको चारों ओर से घेर लिया। किसानों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया।

उसके आधा घंटे के बाद दादरी के एनटीपीसी के नजदीक के गांवों के किसान और महिलाएं नारेबाजी करते हुए परी चौक पर पहुंचे। इनमें 40 से अधिक महिलाएं भी शामिल थी। महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार करने के दौरान काफी देर तक धक्का-मुक्की भी हुई। महिलाएं जमीन पर बैठकर नारेबाजी करती रही। पुलिस ने उनको उठाकर बस से जेल भेज दिया गया। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि पुलिस और प्रशासन की तानाशाही चल रही है। पुलिस ने महिलाओं को तमाचा और डंडा भी मारा। आंदोलन को दबाने के लिए उनके नेताओं को जेल भेज दिया है। लेकिन किसान अपना हक लेकर रहेंगे। किसानों का जेल भरो आंदोलन जारी रहेगा।

ग्रेटर नोएडा में सूरजपुर से जीरो पॉइंट पर धरना देने जा रहे किसानों को भी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। वे किसान नेता सुखबीर खलीफा और अन्य किसानों की गिरफ्तारी से नाराज हैं। दोपहर करीब 12 बजे महिलाओं के साथ पचास से अधिक किसान नारेबाजी करते हुए परी चौक पर पहुंचे जहां से उन्हें हिरासत में लिया गया।

किसानों का कहना है कि देश के प्रधानमंत्री व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आपसे निवेदन है कि जिला गौतमबुद्धनगर में जो किसानों के साथ हो रहा है बहुत गलत हो रहा है आप हमारे किसानों का दर्द समझें और प्राधिकरणों में बैठे भ्रष्ट अधिकारियों पर चाबुक चलाएं।

# 17 दिसंबर को पेंशनर्स दिवस

**नोएडा ( चेतना मंच )।** गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जनपद के पेंशनर्स को जानकारी देते हुए बताया कि 17 दिसंबर 2024 को सुबह 11:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में पेंशनर्स की समस्याओं का निस्तारण कराने के उद्देश्य से पेंशनर्स दिवस का आयोजन किया जाएगा। जनपद के पेंशनर्स आयोजित होने वाली पेंशनर्स दिवस में उपस्थित होकर अपनी समस्या का निस्तारण करा सकते हैं।

जिलाधिकारी ने समस्त कार्यालय अध्यक्षों एवं आहरण वितरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित तिथि एवं समय पर पेंशनर्स दिवस में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें, ताकि जनपद के पेंशनर्स की समस्याओं का निदान किया जा सके।

झंडा दिवस के अवसर पर गौतमबुद्धनगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को प्रतीक ध्वज लगाते गौतमबुद्धनगर के जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल कपिल कत्याल।

# झंडा दिवस पर ज्यादा से ज्यादा धनराशि एकत्र करें : डीएम

**नोएडा ( चेतना मंच )।**

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी गौतमबुद्धनगर कर्नल कपिल कत्याल ने बताया कि विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में भारत के वीर शहीदों, भूतपूर्व सैनिकों एवं शहीद सैनिकों के परिवार आश्रितों के कल्याण के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस पूरे जनपद में मनाया गया। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी के द्वारा आज सशस्त्र सेना झंडा दिवस के उपलक्ष में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को स्मारिका भेंट करते हुए प्रतीक ध्वज लगाया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ हमारी सेना जरूरत पड़ने पर हर प्रकार की आपदा/दैवीय आपदा व अन्य स्थिति में प्रशासन के सहायता करती रही है। इसलिए हमारा कर्तव्य हो जाता है कि हम झंडा दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक धन एकत्रित करें ताकि यह धनराशि देश के सैनिकों एवं उनके आश्रितों के हितार्थ में काम आ सके। उन्होंने जनपद के समस्त विभागीय अधिकारियों, समस्त जनपद वासियों, औद्यागिक इकाईयों, स्कूल, कॉलेजों एवं समस्त शिक्षण संस्थानों से भी अपील करते हुए कहा कि इस वर्ष झंडा दिवस पर अधिक से अधिक धनराशि दान स्वरूप प्रदान करें एवं शिक्षक व छात्र भी ग्राम वासियों को झंडा दिवस का महत्व समझाने के साथ-साथ उनको झंडा दिवस के संबंध में जागरूक बनाने में अपना सहयोग दें, ताकि देश के सैनिकों एवं उनके आश्रितों के कल्याण कार्यों में सहयोग दिया जा सके।

# बारूद के ढेर पर बैठा है ग्रेटर नोएडा का देवला गांव, प्रशासन ने छुपाया

**ग्रेटर नोएडा ( चेतना मंच )।** ग्रेटर नोएडा क्षेत्र का देवला गांव बारूद के ढेर पर बैठा हुआ है। एक छोटी सी चिंगारी भी ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के इस गांव में बड़ा बवाल करा सकती है। ग्रेटर नोएडा के देवला गांव में 1 दिसंबर को हुए एक हत्याकांड के बाद से ही तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। जिला प्रशासन तथा ग्रेटर नोएडा पुलिस ने देवला गांव के हालात को सबसे छुपा कर रखा हुआ है। ग्रेटर नोएडा पुलिस का दावा है कि देवला गांव में स्थिति सामान्य है। सच यह है कि ग्रेटर नोएडा के देवला गांव में पुलिस तथा पीएसी का पहरा लगा दिया गया है।

आपको बता दें कि ग्रेटर नोएडा में देवला गांव में पिछले 1 सप्ताह से बहुत कुछ असामान्य हुआ है। ग्रेटर नोएडा के इस गांव की वर्तमान स्थिति को समझने से पहले एक घटना का जिक्र करना जरूरी है। दरअसल ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर थाना क्षेत्र के खोदना खुर्द गांव के जंगल में रविवार शाम एक शव मिलने से सनसनी फैल गई थी। शव देवला गांव निवासी (50 वर्षीय) ब्रह्मजीत का था, जिसकी गला दबाकर हत्या की गई थी। देवला गांव वालों के अनुसार, ब्रह्मजीत का विवाद हाल ही में पैसे को लेकर कुछ व्यक्तियों से हुआ था, जिसके चलते वह तीन दिन पहले घर से बिना बताए चला गया था। परिवार ने जब आसपास के सीसीटीवी कैमरे की जांच की, तब उन्हें ब्रह्मजीत की तस्वीर मिली जिसमें वह दो युवकों के साथ बाइक पर जाते हुए दिखाई दिए। अंतत: रविवार की शाम को खोदना खुर्द गांव के पास ब्रह्मजीत का शव झाड़ियों में पड़ा मिला। जब परिजनों को जानकारी हुई, तो उन्होंने पुलिस को अपहरण और हत्या की शिकायत दी। शिकायत मिलने पर ग्रेटर नोएडा पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

एडिशनल डीसीपी हिरदेश कठेरिया ने बताया कि रविवार रात को सूरजपुर पुलिस ने खोदना खुर्द तिराहे पर वाहन चेकिंग कर रही थी. इसी दौरान पुलिस ने एक बाइक पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा. जैसे ही पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, वे भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया और आरोपियों द्वारा फायरिंग किए जाने पर पुलिस ने भी जवाबी हमला किया था। इस दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लग गई, जबकि दूसरा साथी भागने में सफल रहा। घायल बदमाश की पहचान हारून के रूप में हुई, जो खोदना खुर्द का निवासी है। पूछताछ में हारून ने कबूल किया कि उसने अपने साथी गुलशन के साथ मिलकर ब्रह्मजीत की हत्या की थी। हारून ने बताया कि उसने ब्रह्मजीत से 85,000 रुपये उधार लिए थे जिसकी वह बार-बार मांग कर रहा था। इसके चलते उन्होंने ब्रह्मजीत को बाइक पर बिठाकर जंगल में ले जाकर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी थी।

## हत्याकांड बना बारूद के ढेर का कारण

**ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में देवला गांव निवासी ब्रह्मजीत की हत्या का यह कांड देवल की शांति व्यवस्था को हजम कर गया। देवला गांव के कुछ युवकों ने गांव में रहने वाले मुस्लिम समाज के घरों में तोड़फोड़ की तथा गांव के आसपास पड़ी झुग्गी झोपड़ियां में आग लगा दी। ग्रेटर नोएडा पुलिस ने बड़ी मुश्किल से हालात पर काबू किया। इसके तुरंत बाद देवला गांव में एक बड़ी पंचायत हुई। पंचायत में बड़ा फैसला सुना दिया गया। फैसला यह था कि मुस्लिम समाज के लोग तुरंत गांव खाली कर दें। उनके देवला गांव में अब मुस्लिम समाज के लिए कोई स्थान नहीं है। पंचायत के फरमान पर गांव में मुस्लिम समाज के व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध भी लगा दिया गया है। ऊपर तौर पर देवला गांव के हालात सामान्य नजर आ रहे हैं किंतु ग्रामीणों का मत है कि देवला गांव बारूद के ढेर पर बैठा हुआ है। छोटी सी चिंगारी भी कोई बड़ा बवाल करा सकती है।**

**हमारे संवाददाता सुमित भाटी के अनुसार देवला गांव में धर्म विशेष के लोगों की दुकानें बंद हैं और झुग्गियों में रह रहे लोग अपनी झुग्गियों को खाली कर अपना सामान समेट कर जा रहें हैं। झुग्गियां खाली करके जा रहे लोगों का कहना है कि अपनी सुरक्षा को लेकर वह चिंतित है और इसीलिए गांव को खाली कर रहे हैं। वही पलायन पर धर्म विशेष के लोगों की गांव छोड़ने की खबर पर पुलिस अधिकारी कुछ नही बोल रहे है। उनका कहना है कि अभी यह बात उनके संज्ञान में नही आयी हैं यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो उसकी जांच होगी और गांव मे रहने वाले किसी भी समुदाय को अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता नही करनी चाहिए**